May 2025

SRMS Trust Bulletin

आयाम

SRMS रिद्धिमा में डांस, ड्रामा पेंटिंग - PAGE 16

- हार हो या जीत आम लोगों से जुड़ें रहे स्व. सेनानी श्रीराम मूर्ति जी – PAGE 03
- इन्वेस्ट यूपी में निवेश के लिए श्री देव मूर्ति जी को किया गया सम्मानित – PAGE 03
- सीईटी बरेली में तकनीकी वार्षिक उत्सव टैकव्योम का आयोजन – PAGE 04
- एसआरएमएस ट्रस्ट की आर्थिक मदद से हुई मरीज की कीमोथैरेपी – PAGE 15
- एसआरएमएस में वूमेन फिजिशियन ऑफ इण्डिया कॉन्फ्रेंस आयोजित – PAGE 20
- एसआरएमएस ट्रस्ट की पुरस्कृत कहानी 'विनम्रता' – PAGE 26

श्रीराम मूर्ति मैमोरियल फुटबाल व क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन - PAGE 08

SHRI RAM MURTI SMARAK
COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, BAREILLY

Approved by AICTE & PCI, New Delhi | Affiliated to Dr. APJAKTU, Lucknow

SRMS

29 YEARS of Academic Excellence

LEAD THE INDUSTRY WITH UNMATCHED DEMAND

ADMISSION OPEN 2025-26

APPROVAL & RECOGNITION

AICTE | NBA National Board of Accreditation | UN Global Compact Network India | Toastmasters International | Institution's Innovation Council (Ministry of HRD Initiative) | AIMA All India Management Association

COURSES OFFERED

- **B.Tech.** | CS&E • CS&E (AI / ML) • CS&E (Data Sci.)* • ECE • EN • IT • ME
- **B.Pharm.** | 1st Year & 2nd Year Lateral Entry
- **BBA** | Eligibility : 10+2 (with any subject group)
- **BCA** | Eligibility : 10+2 (with any subject group)
- **M.Tech.** | CAD & M • CS & E • ECE • EE
- **M.Pharm.** | Pharmaceutics
- **MBA** (NBA National Board of Accreditation) | Finance • HR • IB • IT • Marketing • Operations
- **MCA** | Eligibility : Graduation with 55% marks or PG with Maths subject at 10+2 level

Why Enroll @ SRMSCET

"Center of Excellence" in AI&ML and IoT

Outcome Based Education & Value Added Courses	Exposure to Funded R&D Projects	World Class Sports Infrastructure	Industry Demanded Specializations & Certifications
Exposure to Patent Filing	Industry Corporate Tie-Ups & MoU's	Live Projects for Hands on Experience	World Class Infrastructure for Holistic Development
Inculcating Leadership through SRMS Toastmasters International Club	Employability Skills Enhancement Program	Igniting Innovation through HACKATHONS	Empowering Growth through Hand - Holding Initiative

AKTU CODE 014

SRMS Tuition Fee Wavier Scheme#

Attractive Entry Level Scholarship upto ₹ 50000/-@

Annual Academic Scholarship worth ₹ 3.5 Crores##

Congenial Ecosystem for Startups & Entrepreneurship under SRMS Incubation Cell

Global Alumni Network of 18000+

Monthly stipend of ₹3000–₹10000 under "Earn While You Learn" for MCA students.

89% Placement

115+ Recruiters

CTC upto ₹ 21 LPA

* To be introduced | # Visit Website for details | @ Applicable for First year | ## Based on University Result

7055999555, 9458702000 | admission@srms.ac.in | www.srms.ac.in

Ram Murti Puram, 13 Km. Bareilly - Nainital Road, Bareilly-243 202 (U.P.)

समग्र व्यक्तित्व विकास में खेलों की भूमिका महत्वपूर्ण

खेलों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। जीवन में जीत के साथ हार को स्वीकार करना और फिर जीतने को लिए प्रेरित करना खेल ही सिखाते हैं। सकारात्मक सोच और समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए खेलों के प्रति युवाओं को प्रेरित करने का यही काम एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षणिक संस्थान बखूबी कर रहे हैं। जहां समय समय पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर विद्यार्थियों को इससे जोड़ा जाता है। पिछले महीने भी बरेली स्थित इंजीनियरिंग कालेज के मैदान पर ऐसी ही विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इसमें श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट एवं फुटबाल टूर्नामेंट में जिले के स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया तो इंटर ट्रस्ट क्रिकेट टूर्नामेंट में एसआरएमएस ट्रस्ट के शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने। स्पोर्ट्स मीट आह्वान में पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने। अच्छे माहौल में हुई इन प्रतियोगिताओं में सभी ने खेल भावना का परिचय दिया और आनंद उठाया। निसंदेह इन खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी भविष्य में देश को स्वस्थ समाज देने में अच्छे नागरिक बनेंगे।

–जयहिंद

अमृत कलश

''जो लोग अपने लक्ष्य के प्रति, खुद को समर्पित करते हैं, सफलता खुद चलकर उनके पास आती है।।''

EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi - Editor
Ashish Arora - Photographer
Aniket - Photographer
Yasmeen Khan - Designer
Ruchi Sharma - (Co-Ordinator, CET)
Vineet Sharma - (Co-Ordinator, IMS)
Dr. Tanmay Pant - (Co-Ordinator, IBS)

कवर पेज: कथक गुरू एसआरएमएस रिद्धिमा, आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग (श्रीराम मूर्ति मैमोरियल फुटबाल चैंपियन)

Mail us: amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Nainital Road, Bhojipura Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090, 0581-2582000

हार हो या जीत आम लोगों से जुड़े रहे राम मूर्ति जी

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्रीराम मूर्ति जी
08.02.1910 - 02.10.1988

स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी में कुशल वक्ता और वाकपटुता के गुण अपने पिता साहू ठाकुर दास जी से हासिल हुए थे। इसी तरह आम लोगों की मदद को तत्पर रहने का गुण मां रेवती से मिला था। इसी गुण की वजह से उन्होंने लोगों की सेवा, सच्चाई और ईमानदारी को हमेशा तवज्जो दी। इसे राजनीति से बढ़ कर माना। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने नेता के इस गुण को नजरअंदाज नहीं किया और 1969 में विधानसभा चुनाव में बहेड़ी से प्रत्याशी बनाया। लोगों के समर्थन के बाद भी राम मूर्ति जी 67 वोटों के मामूली अंतर से हार गए। उन्होंने जनता के सामने खुद इसकी घोषणा की और हार को सहर्ष स्वीकार किया, लेकिन हार के बाद भी राम मूर्ति जी का कद पार्टी में कम नहीं हुआ। पार्टी ने हार को चूक माना और उन्हें उप्र संगठन कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया। राम मूर्ति जी ने इसे भी सहजता से लिया। वर्ष 1974 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने फिर उन्हें बहेड़ी विधानसभा से प्रत्याशी घोषित किया। इस बार जनता ने उन्हें व्यापक समर्थन दिया। बड़े अंतर से जीत कर वह विधानसभा पहुंचे। उन्होंने इस जीत को भी जनता को ही समर्पित किया। कांग्रेस पार्टी में भी उनकी धाक और बढ़ी। पार्टी नेताओं ने उन्हें कांग्रेस विधान मंडल दल का नेता चुना। स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी ने इसे भी सहज भाव से लिया। इस जिम्मेदारी के बाद भी उन्होंने अपने क्षेत्र के साथ ही दूसरे क्षेत्र के लोगों के बीच समाजसेवा का मौका कभी नहीं छोड़ा।

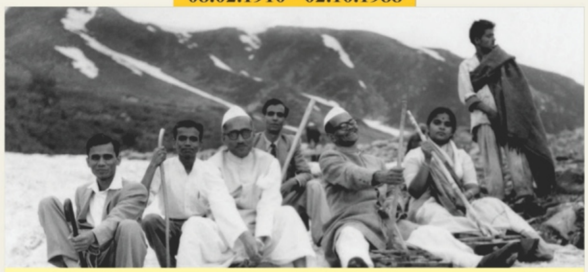

परिजनों के साथ भ्रमण पर राम मूर्ति जी (फोटो एसआरएमएस अकाईब)

–श्रद्धांजलि

इनवेस्ट यूपी में निवेश के लिए देव मूर्ति जी का सम्मान

प्रदेश में भाजपा के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 27 मार्च 2025 को जीआईसी आडिटोरियम में सेवा, सुरक्षा और सुशासन समारोह हुआ। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र की ओर से इन्वेस्ट यूपी के तहत जिले में निवेश करने वाले उद्यमी सम्मानित किये गये। बरेली में 275 करोड़ का निवेश करने के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी को भी सम्मानित किया गया। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मपाल ने यह सम्मान व प्रमाण पत्र ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति जी को प्रदान किया। इस अवसर पर डीएम रविंद्र कुमार, सीडीओ जग प्रवेश, एसपी सिटी मानुष पारिक, भाजपा नेता मौजूद रहे।

सीईटी में तकनीकी वार्षिक उत्सव 'टेकव्योम-2025' का सफल आयोजन

कम होती नौकरी में इंटरप्रिन्योरशिप ही विकल्पः देव मूर्ति

टेक्निकल स्किल से समाजहित में करें अविष्कारः आदित्य मूर्ति

मॉडल का अवलोकन

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी (एसआरएमएस सीईटी) में आयोजित तकनीकी वार्षिक उत्सव 'टेकव्योम-2025' में संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को सिर्फ जाब के लिए पढ़ाई न कर इंटरप्रिन्योर बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एआई के दौर में लगातार जॉब कम हो रही हैं ऐसे में युवाओं के पास टेक्नोलाजी में दक्ष होकर इंटरप्रिन्योर बनने का सुनहरा मौका है। खुद का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आज आप जहां पढ़ाई कर रहे हैं। उस स्थान पर इंजीनियरिंग कालेज बनाने का सपना देखा था। मेरे संकल्प पर तमाम लोगों ने हंसी उड़ाई। लेकिन हौसला न हारने से कालेज बना और 1996 में यहां पढ़ाई शुरू हुई। हालांकि यह इतना आसान नहीं था। मुश्किलें भी आईं। आर्किटेक्ट ने बिल्डिंग निर्माण का बजट ही 50 करोड़ बताया। इतनी पूंजी न होने से खुद ही इसे बनाने का फैसला किया और 5 करोड़ में बिल्डिंग बन कर तैयार हो गई। देव मूर्ति जी ने विद्यार्थियों को हमेशा न या सोचने और हौसला रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एआई के दौर में टेक्नोलाजी में विशेषज्ञता ही आपको आगे

उद्घाटन

- 'ए.आई. संचालित भारतः नवाचार, समावेशन, प्रभाव' थीम पर हुए सभी इवेंट
- विजयी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट, ट्राफी संग मिला 50,000 रुपये का इनाम

रखेगी। टेकव्योम जैसे कार्यक्रम आपके लिए बड़ा मंच हैं। यहां एक दूसरे से सीखिए और आगे बढ़िए। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षा में अच्छे नंबर लाकर एसआरएमएस ट्रस्ट की स्कालरशिप हासिल करने का भी आह्वान किया। टेकव्योम में विजयी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और ट्राफी के साथ ही 50,000 रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफॅ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी (एसआरएमएस सीईटी) में (26 अप्रैल 2025) को राष्ट्र स्तरीय तकनीकी महोत्सव 'टेकव्योम-2025' का आरंभ हुआ। 'ए.आई. संचालित भारतः नवाचार, समावेशन, प्रभाव' विषय पर विद्यार्थियों के ग्रुप टायरो क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में टेकगैलरी, टैक्निकल टाक, आविष्कारक, रोबो युद्ध, रिसर्च पेपर एवं पूर्व छात्र मिलन समारोह समेत 32 इवेंट आयोजित हुए। इससे पहले सरस्वती वंदना के साथ आरंभ हुए इसके उद्घाटन

एलुमनाई मीट में सीनियर्स ने दिए टिप्स

'टेकव्योम-2025' में शामिल विद्यार्थियों को एलुमनाई मीट के दौरान संस्थान से पास पूर्व विद्यार्थियों से परिचित होने का मौका मिला। पूर्व छात्रों ने वर्तमान में इंडस्ट्री के लिए जरूरी स्किल की जानकारी दी। प्लेसमेंट के टिप्स दिए। इसके साथ ही अपने उद्यम से संबंधित जानकारी देकर विद्यार्थियों को इंटरप्रिन्योरशिप के लिए भी प्रेरित किया।

समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति ने कहा कि 23 साल पहले वर्ष 2002 से पहली बार टेकव्योम का आयोजन टायरो क्लब की ओर से किया गया। बैकबेंचर्स को भी अपनी स्किल दिखाने और आगे लाने में सहयोग करने की वजह से यह सफलतापूर्वक जारी है। आप जो भी सोचते हैं उसे यह प्लेटफार्म इंप्लीमेंट करने का मौका देता है। टेकव्योम में टेक्निकल स्किल निखरने की वजह से ही एकेटीयू के टेक्निकल फेस्ट में हमारे विद्यार्थियों को दूसरा स्थान हासिल हुआ। आदित्य मूर्ति ने विद्यार्थियों से समाजहित में आविष्कारों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज एआई के जमाने में ऐसा टेक्निकल स्किल से ऐसा कोई आविष्कार किया जा सकता है, जिनकी मदद से पहलगाव जैसे आतंकी हमलों को रोकने में मदद मिले। आप सभी लोग इस पर सोचें। इससे पहले उद्घाटन समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट की इवेंट को-आर्डिनेटर रिया अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। टायरो प्रेसीडेंट प्रतिष्ठा सिंह ने 'टेकव्योम-2025' की थीम बताने के साथ इसकी जानकारी दी और टायरो सेक्रेटरी ;षभ वर्मा ने सभी का आभार जताया। उद्घाटन समारोह का संचालन वंशिका शर्मा और राहुल भट्ट ने किया। इस अवसर पर एसआरएमएस गुडलाइफ हास्पीटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर इंजीनियर सुभाष मेहरा, एसआरएमएस सीईटी के प्रिंसिपल डा. प्रभाकर गुप्ता, एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, एसआरएमएस सीईटीआर के डीन डा.शैलेश सक्सेना, पैरामेडिकल कालेज की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, नर्सिंग कालेज की प्रिंसिपल डा.मुथु महेश्वरी, डायरेक्टर प्लेसमेन्ट डा. अनुज कुमार, चीफ प्राक्टर इंजीनियर विवेक यादव, डा.एलएस मौर्य, डा.सोवन मोहंती, डीएसडब्ल्यू डा.सत्यदेव सहित सभी विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

WINNERS OF TECHVYOM 2025

CODE HUNT- 1st - Aayushi Gupta (P-0600), Shiva Chauhan (P-0601), Vidit Kanchan (P-0599)- CET BAREILLY

2nd - AISHWARYA SAXENA (P-0424), ARUSH AGARWAL (P-0423) - CET BAREILLY

3rd - DEV SAXENA (P-0041), NEETU SAHU (P-0188) - CET BAREILLY

CLONE THE WEB - 1st - ANUBHUTI RAJ SAXENA (P-0300), DISHA MAURYA (P-0308), SHRUTI MISHRA (P-0304) - CET BAREILLY

2nd - ANANT SAXENA - (P-0326), ASHISH (P-0343), OM AGARWAL (P-0344) - CET BAREILLY

3rd - ADITYA YADAV (P-0610), SAMARTH GILL (P-0612), VIJAY ADHIKARI (P-0613) - CET BAREILLY

BUSINESS QUIZ - 1st - AYUSH MISHRA (P-0144), DIVYANSH GUPTA (P-0148) - CET BAREILLY

2nd - AKHIL SAXENA (P-0133), SEJAL SAXENA (P-0159) - CET BAREILLY

3rd - DEEPALI GUPTA (P-0161), UDIT MAHESHWARI (P-0156) - CET BAREILLY

CRE8 LOGO - 1st - PRAKHAR GUPTA (P-0488)- CETR BAREILLY

2nd - GURSIMRAN KAUR (P-0087)- CET BAREILLY

3rd - KRITIKA GROVER (P-0369) - CET BAREILLY

EXTEMPORE -1st - ANKITA SINGH (P-0024), CET BAREILLY

2nd - ADYA SRI (P-0372), CET Bareilly

3rd - KRITIKA GROVER (P-0369), CET Bareilly

AAVISHKARAK - 1st - DAYANSHU VERMA (P-0124), DEV GUPTA (P-0126), KANOJIA SACHIN KUMAR MURALI RAM (P-0122), CET Bareilly

2nd - DHRUV RAJ (P-0184), KESAV SHRIVASTAV (P-0185), KESHAV BAGHEL (P-0128) , CET Bareilly

3rd - AAMIR KHAN (P-0193), MOHAMMAD SAIF ALI (P-0174), SHARYAR KHAN (P-0238), CET Bareilly

PHARM DESK - 1st - ABHAY PRATAP SINGH (P-0003), ANKIT CHAURASIA (P-0001), MEDHAVI GUPTA (P-0002), CET Bareilly

2nd - AYUSHI BHARTI (P-0310), MOHD AZIL (P-0312), SHAILA NOOR (P-0311) , CET Bareilly

3rd - DHRUV RAJ (P-0184), KESAV SHRIVASTAV (P-0185), KESHAV BAGHEL (P-0128), , CET Bareilly

BUSINESS PLAN - 1st - ANKITA SINGH (P-0024), SIDDHI GUPTA (P-0023), CET Bareilly

2nd - ARPIT YADAV (P-0158), KULDEEP (P-0135), CET Bareilly

3rd - ABHAY PRATAP SINGH (P-0003), ADITI GUPTA (P-0064) , CET Bareilly

JUNK WAR - 1st - SHIVANG SAXENA (P-0121), CET Bareilly

CATAPULT - **1st -** ADITYA GANGWAR (P-0412), ANSHUL GUPTA (P-0418), ARUN SINGH (P-0417), CET Bareilly

2nd - AYUSH KUMAR MISHRA (P-0626), HARSH SHARMA (P-0619), PRATEEK GANGWAR (P-0603), SHARDA PRASAD AVASTHI (P-0602), CET BAREILLY

TECH GALLERY - 1st - AMAAN UR REHMAN (P-0027), ARSH UDDIN (P-0026), MOHD HASSAN (P-0025), MOHD VALEED (P-0028), CET BAREILLY

2nd - CHHAVI SAXENA (P-0572), KHUSHI MEHROTRA (P-0574), SANCHIT AGARWAL (P-0579), CET BAREILLY

3rd - GURSIMRAN KAUR (P-0087), PIYUSH PANDEY (P-0085) , CET BAREILLY

LAN WAR (BGMI) - 1st - JAMES RAJPUT (P-0362), RAKSHIT CHAUHAN (P-0356), SAZID YAMAN (P-0082), SURYA P. SINGH (P-0231), SWASTIK (P-0622), CET BAREILLY

2nd - AYUSH MISHRA (P-0144), DEVESH MAURYA (P-0151), DIVYANSH GUPTA (P-0148), SHEKHAR MAURYA (P-0147), CET BAREILLY

3rd - AYUSH (P-0190), HRITHIK ARORA, (P-0186), PRIYANSH SAXENA (P-0192), TARUN SINGH SHEKHAWAT (P-0355), CET BAREILLY

DRAG & PLACE - 1st - DISHA GANGWAR (P-0287), KESHAV KUMAR (P-0288), VAIBHAV AGARWAL (P-0292), CET BAREILLY

2nd - FARDEEN KHAN (P-0045), IMAAD NOOR SHAMSI (P-0043), MOHD AYAN KHAN (P-0620), OHTASHIM (P-0457), SYED AMAAN ALI (P-0047), CET BAREILLY

3rd - KANISHK GULATI (P-0253), TARUN SINGH SHEKHAWAT (P-0355), CET BAREILLY

BRIDGE BUILDING - 1st - KUSHAGRA DOEL (P-0294), MOHD SUBHAN (P-0295), VINAYAK DEVAL (P-0290), CET BAREILLY

2nd - PRAGATI SAHU (P-0117), SHOBHIT DUBEY (P-0203), TANYA GUPTA (P-0116), CET BAREILLY

3rd - AMAN KUMAR (P-0123), NAYAN SINGH (P-0391), CET BAREILLY

PHARMA-DRAW - 1st - Kajal Gupta(P-0017), KESHAV BAGHEL (P-0128), CET BAREILLY

BYTE & FRAME - 1st - KUSHAGRA GUPTA (P-0182), NITANSH GUPTA (P-0183), PRATIBHA PATEL (P-0181), CET BAREILLY

PIRATES OF THE CARIBBEAN (AQUA RACE) - 1st - MOHD KASHIF (P-0476), MUNEER ALI RAZA (P-0479), SYED AIRAF ALI (P-0477), YASH RAJ SHARMA (P-0478), CET BAREILLY

LINE FOLLOWER ROBOT (WRONG TURN) - 1st - FARDEEN KHAN (P-0045), IMAAD NOOR SHAMSI (P-0043), SYED AMAAN ALI (P-0047), CET BAREILLY

BUG BOUNTY - 1st - KAVYA AGARWAL (P-0033), CET BAREILLY

2nd - ISHIKA JOSHI (P-0389), CET BAREILLY

3rd - ANSH AGARWAL (P-0387), CET BAREILLY

Assemble Dissemble - 1st - ABHAY YADAV (P-0415), RISHABH RATHORE (P-0413), ZOHAYR AHMED (P-0397), CET BAREILLY

2nd - ABHIJEET PANDEY (P-0617), MOHD SHADAN (P-0615), SAMAD KHAN (P-0611), CET BAREILLY

3rd - HARSH SHARMA (P-0619), KARAN (P-0632), CET BAREILLY

CODE BREAKERS - 1st - TANYA ABROL (P-0548), CET BAREILLY

2nd - DHRUV JOHRI (P-0030), CET BAREILLY

CODE RELAY - 1st - RISHABH SHINGHAL (P-0224), UNNATI VISHNOI (P-0227), CET BAREILLY

2nd - AMIT VERMA (P-0547), ANSH KUNWAR JI (P-0621), CET BAREILLY

3rd - KAVYA AGARWAL (P-0033), SIDDHI GUPTA (P-0023), CET BAREILLY

AD MAD - 1st - MANAS DAM (P-0134), SAKSHAM SACHAN (P-0563), STUTI SAXENA (P-0155), UDIT MAHESHWARI (P-0156), IBS LUCKNOW

2nd - AMAN V SINGH (P-0152), KIRPAN SINGH (P-0153), KULDEEP (P-0135), VIVEK KUMAR (P-0142), CET BAREILLY

3rd - Akansha (P-0157), Akhil Saxena (P-0133), Arpit Yadav (P-0158), Priya Patel (P-0136), CET BAREILLY

CODE QUEST- 1st - ARUSH AGARWAL (P-0423), CET BAREILLY

2nd - ANIMA MISHRA (P-0641), MJPRU Bareilly

3rd - YASHASVI (P-0177), CET BAREILLY

VERSES OF THE VALLEY - 1ST - RAHUL BHATT (P-0334), CET BAREILLY

2nd - SUHANI SAXENA (P-0419), CET BAREILLY

3rd - MONIKA SINGH (P-0411), NURSING BAREILLY

CRYPTIC HUNT- 1st - JAYANSH YADAV (P-0385), KESHAV SINGH GWAL (P-0367), KRITIKA GROVER (P-0369), CET BAREILLY

2nd - PRIYANSHI AGARWAL (P-0366), RIYA SINGH, (P-0371), SONAL PAL (P-0383), CET BAREILLY

3rd - ANSH AGARWAL (P-0387), UNNATI VISHNOI (P-0227), CET BAREILLY

Robo - Soccer (Wild Soccer) - 1st - Aditya Rai (P-0261), Alankrit Kaushik (P-0256), Ayush Gangwar (P-0259), Nirali Suri (P-0257), CET BAREILLY

2nd - DISHA GANGWAR (P-0287), KESHAV KUMAR (P-0288), CET BAREILLY

3rd - AKSHANSH AGARWAL (P-0296), KUSHAGRA DOEL (P-0294), MOHD SUBHAN (P-0295), VINAYAK DEVAL (P-0290), CET BAREILLY & RISHABH RATHORE (P-0413), ZOHAYR AHMED (P-0397), CET BAREILLY

ROBO- WAR - 1st - ARJUN GUPTA (P-0313), DIVYANSH YADAV (P-0309), SHUBH YADAV (P-0315), SOHIT SINGH PATEL (P-0324), CET BAREILLY

2nd - ADITYA (P-0435), ANUJ GANGWAR (P-0432), LALIT KUMAR SINGH (P-0583), MOHD SAAD (P-0584), PRINCE GUPTA (P-0434), SACHIN KUMAR (P-0461), SPARSH SAXENA (P-0463), CET BAREILLY

RESEARCH PUBLICATION - 1st - DEEPAK GANGWAR (P-0049), RIYA RASTOGI (P-0048), CET Bareilly

2nd - ANKITA SINGH (P-0024), SIDDHI GUPTA (P-0023), CET Bareilly

3rd - GURSIMRAN KAUR (P-0087), PIYUSH PANDEY (P-0085), CET Bareilly

आईपीएस में स्पोर्ट्स मीट आह्वान 2025 का आयोजन

स्पोर्ट्स में उपस्थित देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल जसप्रीत कौर, सुभाष मेहरा व अन्य

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल साइसेज में तीन दिवसीय स्पोर्ट्स मीट आह्वान 2025 का आयोजन हुआ। 4 अप्रैल को आरंभ हुई इस प्रतियोगिता का समापन 6 अप्रैल को विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ किया गया। संस्थान के अध्यक्ष देव मूर्ति जी ने फीता काटकर एवं मशाल जला कर प्रतियोगिता के आरंभ किया। उन्होंने खेलों के महत्व को बताया और पढाई के साथ-साथ खेल में भी आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खेल हमें जीत और हार दोनों का संदेश देते हैं, जो लोग खेल में अच्छी मेहनत कर लेते हैं, अच्छे खिलाडी बनने के साथ अच्छे नागरिग भी बन जाते हैं। आह्वान 2025 में क्रिकेट, वालीबाल, डुग आफ वार, खो-खो, चेस, टेबिल टेनिस, कैरम के साथ एथलेटिक्स की भी स्पर्धाएं आयोजित हुईं। प्रतियोगिता के समापन पर ट्राफी, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर विजताओं को प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति, ट्रस्ट सलाहकार ई.सुभाष मेहरा, पैरामेडिकल कालेज की प्राचार्य डा. जसप्रीत कौर, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा, आरपी सिंह, डीन यूजी डा.बिंदू गर्ग, आईएमएस के डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, आईपीएस के डीएसडब्ल्यू रोहिताश गंगवार, स्पोर्ट्स हेड नितिन सक्सेना, फैकल्टी, वाइब्रेट क्लब के अध्यक्ष गौरव काकह्, सचिव दिया खान, उपाध्यक्ष हिमानी दानू, उपाघ्यक्ष अंश अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पैरामेडिकल कालेज की छात्रा बैष्णवी शर्मा ने किया।

WINNER AAVAHAN 2025

BADMINTON **BOYS** Shivam Pal (BPT 2024) **GIRLS** Bhumika Goswami (BPT 2024)
CARROM **BOYS** Mohd. Sami (BOTT 2024) **GIRLS** Namita (BPT 2023)
CHESS **BOYS** Harsh (BMRIT 2024) **GIRLS** Khushboo (BMRIT 2024)
POOL **BOYS** Sarthak (BMLS 2022)
TABLE TENNIS **BOYS** Sunil (BPT 2024)
KHO - KHO **BOYS** Akshay (BMLS 2022), Sarthak (BMLS 2022), Akhilesh (BMLS 2022), Sachin Kumar (BMLS 2022), Fanoosh (BMLS 2022), Sandeep, Anas (BPT 2021), Ajay, Rizwan (BMRIT 2021) **GIRLS** - Pooja (BMLS 2021), Nandita (BPT 2024), Khushi (BOPTOM 2024), Devyani (BOPTOM 2024), Sumandeep & Tanishka (BMRIT 2024), Neetu (BMRIT 2024), Pragati & Ayushi (BPT 2024), Tushanki (BOPTOM 2024)
CRICKET **FACULTY** Team CHANAKYA NITI **BOYS Team** SURGICAL STRICKER
VOLLEYBALL **BOYS** Team MLS RIDER
TUG OF BAR **BOYS** Team PRANAV 2020 **GIRLS Team** DEEKSHA 2021
ATHLETICS **SHOT - PUT** BOYS 1ST Divyanshu (9.90 M) GIRLS 1ST Khushi (5.94 M)
JEVELIN **BOYS 1ST** Prashant (26.95 M) **GIRLS 1ST** Nidhi (10.50)
LONG JUMP **BOYS 1ST** Akshay {BMLS 2022}(4.77 M) **GIRLS 1ST** - Diksha {BOTT 2021} (2.55 M)
HIGH JUMP **BOYS 1ST** Vishal {BOPTOM 2021} **GIRLS 1ST** Diksha Bhatt {BOTT 2021}
3 LEG RACE **GIRLS 1ST** Himani {BMRIT 2021} & Khushi {BMRIT 2021}
LEMON RACE **BOYS 1ST** Saumya {BMRIT 2023}
100 M RACE **BOYS 1ST** Balvidra (BMLS 2024) **GIRLS 1ST** - Aqsa Khan (BMLS 2021)
200 M RACE **BOYS 1ST** Saif (BPT 2023)
400 M RACE **BOYS 1ST** Rizwan (BMRIT 2021) 4 X 100 M (Relay RACE)
BOYS 1ST Bhupendra, Fanoosh & Akshay (BMLS 2022), Saurabh (MOTT 2023)

स्पर्धा

विजेता टीम

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट एवं फुटबाल टूर्नामेंट

आर्मी पब्लिक स्कूल सी. विंग, विद्या वर्ल्ड चैंपियन

सांसद छत्रपाल गंगवार ने दिया अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में खेलने का आशीर्वाद

टूर्नामेंट के समापन पर सम्बोधित करते चेयरमैन देव मूर्ति जी, साथ में बरेली के सांसद छत्रपाल गंगवार

स्मृति चिह्न

बरेली: विद्या वर्ल्ड स्कूल ने एसआर इंटरनेशनल स्कूल को 9 विकेट से हरा कर चौथी बार श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में चैंपियन ट्राफी पर कब्जा किया। वहीं आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग ने डीपीएस को 2-0 गोल से पराजित कर श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल चैंपियन ट्राफी अपने नाम की। विद्या वर्ल्ड (विद्या भवन नाम से) ने पहले श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में भी विजय हासिल की थी। टूर्नामेंट का दूसरे सीजन में जीआरएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने चैंपियन ट्राफी अपने नाम थी। उसके बाद से तीसरे, चौथे और पांचवें और अब छठे सीजन के टूर्नामेंट की ट्राफी पर विद्या वर्ल्ड ने अपना कब्जा बरकरार रखा। मुख्य अतिथि बरेली के सांसद छत्रपाल गंगवार, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी, सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सरफराज वली खां, सचिव सीताराम सक्सेना, बरेली फुटबाल संघ के सचिव मून राबिंसन, उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह देवलिया ने विजेता विद्या वर्ल्ड स्कूल और आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग चैंपियन ट्राफी एवं उपविजेता एसआर इंटरनेशनल स्कूल और डीपीएस बरेली को रनरअप ट्राफी के साथ सभी खिलाड़ियों को भी ट्राफियां प्रदान कीं। एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) में 19 अप्रैल को श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 6 एवं श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट सीजन 2 का शानदार समापन हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बरेली के सांसद छत्रपाल गंगवार ने विनर और रनरअप टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शामिल होकर बरेली का नाम रौशन करने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने शानदार टूर्नामेंट के लिए आयोजन समिति को भी बधाई दी। छत्रपाल ने कहा कि सांसद होने से पहले वो इंटर कालेज में प्रधानाचार्य थे, इसी नाते विद्यार्थियों के कार्यक्रमों से खासा लगाव है। इसी नाते वह बच्चों के हर कार्यक्रमों में उन्हें आशीर्वाद देने पहुंचते हैं। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति जी ने रनर और विनर दोनों टीमों को बधाई दी और हमेशा अपनी गलतियों से सीख लेकर निरंतर लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने भरोसा जताया कि यहां खेलने वाले खिलाड़ी एक दिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल कर अपना और बरेली का नाम रौशन करेंगे। इससे पहले

ये रहे टूर्नामेंट के हीरो

- फाइनल मैच के 2.3 ओवर में 4 रन देकर 4 विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के प्रियांशु फाइनल में मैन आफ द मैच
- टूर्नामेंट के 5 मैच में 141 रन बनाने के साथ 10 विकेट लेने वाले एसआर इंटरनेशनल के कप्तान शुभ गंगवार को मिली मैन आफ द सीरीज की ट्राफी
- टूर्नामेंट के 5 मैच में 42.50 के औसत से 170 रन बनाने वाले एसआर इंटरनेशनल के प्रतीक पाल को प्रदान की गई टूर्नामेंट के बेस्ट बैट्समैन की ट्राफी
- टूर्नामेंट के 3 मैच में 11 विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के गेंदबाज लकी को प्रदान की गई बेस्ट बालर आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी
- टूर्नामेंट के 2 मैच में 6 कैच लेने वाले डीपीएस के फील्डर दिव्यांशु को मिली बेस्ट फील्डर आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी
- श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल चैंपियन ट्राफी फुटबाल टूर्नामेंट में डीपीएस के गोलकीपर जेब खान को दी गई गोल्डन ग्लब्स ट्राफी
- टूर्नामेंट के 3 मैच में 6 गोल करने वाले आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग के हर्षित साही को मिली गोल्डन बूट ट्राफी

डीपीएस को 2-0 गोल से हराकर चैंपियन बनीं आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग

चैंपियनः आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) की ओर से आयोजित श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट सीजन 2 का फाइनल मुकाबला शनिवार (19 अप्रैल) को आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग और डीपीएस की टीम का फाइनल में सुबह 9.30 आरंभ हुआ। पहले हाफ तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन 29वें मिनट में ऋषि यादव ने गोल कर आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग को बढ़त दिला दी। आयुश शर्मा ने 55वें मिनट में गोल कर इस बढ़त को 2-0 कर दिया। रैफरी द्वारी मैच समाप्त होने की सीटी बजाने तक डीपीएस के खिलाड़ी आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग की रक्षा पंक्ति को भेद नहीं पाए, जिससे आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग ने फाइनल मुकाबला 2-0 से जीत लिया। आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग के आयुश शर्मा को मैन आफ द मैच की ट्राफी प्रदान की गई। फाइनल मुकाबले में व्यवधान डालने के चलते रेफरी निष्कर्ष सिंह कंडारी, संजय कुशवाहा, प्रमोद पंत और आशू भारती ने डीपीएस के चार खिलाड़ियों को येलो कार्ड दिखाया। पुरस्कार वितरण समारोह में फुटबाल टूर्नामेंट को सफलतापूर्वक संचालित करने वाले रैफरी आशू भारती, निष्कर्ष सिंह कंडारी, महेश चंद्र, सीके यादव, प्रमोद पंत, संजय कुशवाहा और क्रिकेट अंपायर मुहम्मद फैजान को भी गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया।

एसआर को 9 विकेट से हरा कर विद्या वर्ल्ड स्कूल बना चौथी बार चैंपियन

चैंपियनः विद्या वर्ल्ड स्कूल

एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) की ओर से आयोजित श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन सिक्स के फाइनल मुकाबले में एसआर इंटरनेशनल के कप्तान शुभ गंगवार ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन पिछली रात हुई बारिश से पिच और फील्ड के मिजाज को वह भांप नहीं सके। पिच और आउट फील्ड पर नमी का फायदा विद्या वर्ल्ड के गेंदबाजों को मिला। उनके आगे एसआर इंटरनेशनल की बल्लेबाजी बिखर गई और पूरी टीम 13.3 ओवर में 36 रन बना कर पैवेलियन लौट गई। इसमें प्रतीक पाल (14 रन, 10 गेंद, 3 चौके) ही कुछ हद तक विद्या वर्ल्ड की गेंदबाजी का सामना कर सके। जबकि 6 खिलाड़ी अपना खाता खोले बगैर लौट गए। फाइनल में जीत के साथ टूर्नामेंट में चैंपियन बनने के लिए 36 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विद्या वर्ल्ड की टीम का पहला विकेट पहली ही गेंद पर लेकर एसआर के गेंदबाज रोहित कश्यप ने मैच में सनसनी फैला दी। लेकिन फिर संभल कर खेलते हुए विद्या वर्ल्ड ने इस लो स्कोरिंग मैच को 3.2 ओवर में आसानी से अपने नाम किया। इस स्कोर को हासिल करने में अभय सक्सेना ने (21 रन, 13 गेंद, 4 चौके) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एसआर इंटरनेशनल ने 12 अतिरिक्त रन देकर भी विद्या वर्ल्ड को जीत में सहयोग दिया। विद्या वर्ल्ड ने 9 विकेट से मैच जीत कर श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में चौथी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। एसआर की बल्लेबाजी को बिखेरने में विद्या वर्ल्ड के गेंदबाज प्रियांशु ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2.3 ओवर में सिर्फ 4 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। प्रियांशु को मैन आफ द मैच चुना गया।

एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति ने अतिथियों सहित सभी का टूर्नामेंट में स्वागत किया। उन्होंने टूर्नामेंट के सफलतापूर्वक संचालन के लिए बरेली क्रिकेट एसोसिएशन और बरेली फुटबाल संघ के पदाधिकारियों का धन्यवाद दिया और उनके सहयोग पर आभार जताया। इस अवसर पर गुडलाइफ हास्पिटल की डायरेक्टर ऋचा मूर्ति, टूर्नामेंट की आयोजन समिति के प्रेसिडेंट डा.प्रभाकर गुप्ता, आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सोवन मोहंती, ट्रस्ट सलाहकार सुभाष मेहरा, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, सीईटी के डीन एकेडेमिक्स डा.प्रभाकर गुप्ता, सीईटीआर के डीन एकेडेमिक्स डा.शैलेश सक्सेना, डायरेक्टर प्लेसमेंट सेल डा.अनुज कुमार, बरेली फुटबाल संघ के सचिव मून राबिंसन और उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह देवलिया, विद्या वर्ल्ड के प्रिंसिपल डा. योहान कुंवर, आर्मी पब्लिक स्कूल सी. विंग के फुटबाल कोच राशिद खान, डीपीएस के कौशल पाल, विद्या वर्ल्ड के क्रिकेट कोच विश्वजीत, एसआर इंटरनेशनल के कोच राहुल श्रीवास्तव, मनीष सिंह, नितिन सक्सेना, मुहम्मद यूसुफ अंसारी, अनुज शर्मा, शंकरपाल गंगवार, कामरान असरफ, वरिष्ठ कोच एसपी सिंह मौजूद रहे।

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट सीजन - 1

ग्रुप ए - आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग, मानस स्थली स्कूल, बेदी इंटरनेशनल स्कूल, पीएम श्री केवी एनईआर, सेक्रेड हार्ट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चाइल्ड केयर बिशप कान्वेंट स्कूल। **ग्रुप बी** - दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग, एसआर इंटरनेशनल स्कूल, विद्या वर्ल्ड स्कूल, एयरफोर्स स्कूल, जीआरएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल।

पहला दिन (16 अप्रैल) - बेदी की टीम के नहीं पहुंचने से मानस स्थली को वाक ओवर, विजयी घोषित, एसआर इंटरनेशनल को आर्मी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग ने 1-0 गोल से हराया, सेक्रेड हार्ट्स को 3-2 गोलों के हराकर पीएम श्री केवी एनईआर की जीत, एयर फोर्स स्कूल की टीम ने विद्या वर्ल्ड स्कूल को 1 के मुकाबले 2 गोलों से हराया

दूसरा दिन (क्वार्टर फाइनल) - पहले क्वार्टर फाइनल में आर्मी पब्लिक स्कूल सीविं ने मानस स्थली को 0-6 गोल से हराया, दूसरे क्वार्टर फाइनल में डीपीएस ने आर्मी पब्लिक स्कूल जूविं को 0-2 गोल से पराजित किया, तीसरे क्वार्टर फाइनल में चाइल्ड केयर बिशप कोनराड की पेनाल्टी शूट आउट में पीएम श्री केवी एनईआर पर 4-5 गोल से जीत, चौथे क्वार्टर फाइनल में एयर फोर्स स्कूल ने की जीआरएम सीनियर सेकेंडरी पर 3-2 गोल से जीत

तीसरा दिन (सेमी फाइनल) - पहले सेमी फाइनल में आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग ने चाइल्ड केयर को 5-0 गोल से हराया, दूसरे सेमी फाइनल में डीपीएस बरेली की टीम ने एयर फोर्स स्कूल की टीम को 2-0 गोल से हराया

उपविजेता: डीपीएस

आयुश शर्मा

शुभ शर्मा

हर्षित शर्मा

जेब खान

प्रतीक पाल

लकी

उपविजेता: एसआर इंटरनेशनल

फाइनल में बासुबरल के स्थान पर एसआर इंटरनेशनल को मौका

टूर्नामेंट की आयोजन समिति के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सोवन मोहंती ने बताया कि शुक्रवार को हुए पहले सेमीफाइनल में बासुबरल सरस्वती स्कूल और एसआर इंटरनेशनल स्कूल के बीच मैच था। इसमें एसआर इंटरनेशनल ने 4 विकेट पर 139 रन बनाए। बासुबरल ने 17.1 ओवर में 139 रन बना एसआर इंटरनेशनल को 6 विकेट से हराया। इस मैच के बाद एसआर इंटरनेशनल स्कूल के कप्तान और कोच ने बासुबरल सरस्वती स्कूल का प्रतिनिधित्व करने वाले एक खिलाड़ी को नियमों के तहत अयोग्य बताया और उसका विरोध करते हुए आयोजन समिति से शिकायत की। आयोजन समिति ने गहन जांच के बाद फैसला एसआर इंटरनेशनल स्कूल की शिकायत को सही पाया और बासुबरल स्कूल को फाइनल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया। इससे सेमीफाइनल में बासुबरल से हारी एसआर इंटरनेशनल को फाइनल में खेलने का अवसर दिया गया। डा.मोहंती ने बताया कि टूर्नामेंट को निष्पक्ष कराना और शिकायतों का निराकरण करना हमारी जिम्मेदारी है। हम अपेक्षा करते हैं कि टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों के प्रिंसिपल अपने स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को ही ईमानदारी से टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भेजेंगे। लेकिन एक दो मामलों में इसकी अनदेखी होना खेल भावना के विपरीत जाता है। उम्मीद है खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और खेलों को बढ़ाने के लिए उच्च नैतिकता से टूर्नामेंट में शामिल होंगे।

श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट 6 पर एक नजर

ग्रुप ए – मिशन एकेडमी, राधा माधव स्कूल, आरएन टैगोर स्कूल, बासुबरल सरस्वती स्कूल, पीएम श्री केवी एनईआर, हांडा पब्लिक स्कूल, एसआर इंटरनेशनल स्कूल, बेदी इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, जीआरएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेंट फ्रांसिस कान्वेंट स्कूल।

ग्रुप बी – आदर्श निकेतन स्कूल, नेशनल पब्लिक स्कूल, जीके सिटी मांटेसरी स्कूल, मुकुंद इंटरनेशनल स्कूल, जीडी गोयनका स्कूल, जेपीएम स्कूल, सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मानस स्थली स्कूल, सोबतीस पब्लिक स्कूल, विद्या वर्ल्ड स्कूल।

पहला दिन (9 अप्रैल) – उद्घाटन मैच में बासुबरल ने 54 रन बना कर भी 37 रन से पीएम श्री केवी एनईआर को हराया, 12.4 ओवर में 54 रन बना सकी बासुबरल, पीएम श्री केवी एनईआर ने बनाए 7 ओवर में 17 रन, पहले मैच में 4 रन देकर 4 विकेट लेने वाले बासुबरल के गेंदबाज विक्की धूसा रहे मैन आफ द मैच दूसरे मैच में मुकुंद इंटरनेशनल ने बनाए 167 रन, 105 रन ही बना सकी जीडी गोयनका की टीम, 48 गेंदों पर 60 रन के साथ 1 विकेट लेने वाले मुकुंद इंटरनेशनल के फैजान रजा मैन आफ द मैच

दूसरा दिन (10 अप्रैल) –एसआर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल ने हांडा को 81 रन और सेक्रेड हार्ट ने जेपीएम पब्लिक स्कूल 6 विकेट से हराया, एसआर इंटरनेशनल के गेंदबाजों के सामने ने 58 रन बना सकी हांडा पब्लिक स्कूल की टीम, जेपीएम के 59 रनों के जवाब में सेक्रेड हार्ट्स ने 10.3 ओवर में 4 विकेट पर बनाए 63 रन, हांडा पब्लिक स्कूल के 5 विकेट लेने वाले एसआर के कप्तान शुभ गंगवार मैन आफ द मैच, 10 गेंदों पर 3 विकेट व नाबाद 9 रन बनाने वाले सेक्रेड हार्ट्स के हार्दिक जैन मैन आफ द मैच

तीसरा दिन (11 अप्रैल) – डीपीएस ने बेदी को 36 रन और नेशनल पब्लिक स्कूल ने आदर्श को एक विकेट से हराया, डीपीएस के 152 रन के जवाब में बेदी ने 8 विकेट पर 116 रन ही बनाए, 36 रन से पराजित, 47 गेंदों पर 10 चौकों से 67 रन बनाने वाले डीपीएस के आदर्श कुशवाहा मैन आफ द मैच, रोमांचक मैच के अंतिम ओवर में नेशनल पब्लिक स्कूल ने आदर्श पर एक विकेट से दर्ज की जीत, आदर्श निकेतन के 2 खिलाड़ियों को आउट करने वाले विवेक बने मैन आफ द मैच, 4 रन भी बनाए

चौथा दिन (12 अप्रैल) –मिशन एकेडमी ने राधामाधव को 163 रन से और विदया वर्ल्ड ने सोबतीज को 125 रन से हराया, मिशन ने बनाए 211 रन, 62 गेंदों पर नाबाद 128 रन बनाने वाले असद नद्दफ मैन आफ द मैच, 211 रन के जवाब में 12.3 ओवर में 48 रन ही बना सकी राधा माधव पब्लिक स्कूल की टीम, सोबतीज की टीम 16 ओवर में सिर्फ 85 रन बना सकी, विद्या वर्ल्ड ने 125 रन से मैच जीता एक ओवर में पांच विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के लकी को चुना गया मैन आफ द मैच

शतकवीर: असद नदफ

पांचवां दिन (13 अप्रैल) – बासुबरल सरस्वती विहार सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने आरएन टैगोर को 9 विकेट से हराया, आरएन टैगोर के 87 रन का दिये लक्ष्य को बासुबरल ने एक विकेट खोकर हासिल किया, 32 गेंदों पर 56 रन बनाने और 2 विकेट लेने वाले बासुबरल के शिवप्रताप मैन आफ द मैच

6वां दिन (14 अप्रैल) – सेक्रेड हार्ट्स स्कूल ने मानस स्थली को 7 विकेट से पराजित किया, मानस स्थली ने 14.5 ओवर में बनाए 43 रन को सेक्रेड हार्ट्स ने 7.2 ओवर में हासिल किया, मानस स्थली के 4 विकेट लेने वाले सेक्रेड हार्ट्स के आरुष गुप्ता मैन आफ द मैच, एसआर इंटरनेशनल ने 145 रन बना कर डीपीएस को 41 रन से पराजित किया, नाबाद 79 रन के साथ 3 विकेट लेने वाले एसआर के शुभ गंगवार बने मैन आफ द मैच

7वां दिन (15 अप्रैल) – मुकंद इंटरनेशनल ने 52 रन से तो जीआरएम ने 2 विकेट से हासिल की जीत, मुकंद के 127 रन के जवाब में जीके मांटेसरी की टीम 75 रन पर पैवेलियन लौटी, सेंट फ्रांसिस के दिए 88 रन के लक्ष्य को जीआरएम ने 2 विकेट रहते हासिल किया, 21 रन बनाने के साथ 3 विकेट लेने वाले मुकंद के अबू जफर बने मैन आफ द मैच, 3 विकेट के साथ 12 रन बनाने वाले जीआरएमए के मृदुल रावत मैन आफ द मैच

8वां दिन (15 अप्रैल) – पहला और दूसरा क्वार्टर फाइनल
पहले क्वार्टर फाइनल में बासुबरल सरस्वती ने दो बार की रनरअप मिशन एकेडमी को हराया, मिशन की टीम 16.4 ओवर में 68 रन ही बना सकी। बासुबरल ने दो विकेट खोकर जीता मैच, 2 विकेट के साथ नाबाद 50 रन बनाने वाले बासुबरल के शिव प्रसाद मैन आफ द मैच, विद्या वर्ल्ड ने बनाए 170 रन, सेक्रेड हार्ट्स 53 रन पर ढेर, 117 रन से विद्या वर्ल्ड की जीत, 3 विकेट लेने के साथ 5 रन बनाने वाले विद्या वर्ल्ड के प्रियांशु बने मैन आफ द मैच

9वां दिन (17 अप्रैल) – तीसरा और चौथा क्वार्टर फाइनल
तीसरे क्वार्टर फाइनल में एसआर इंटरनेशनल ने जीआरएम को 48 रन से पराजित किया, एसआर के 121 रन के जवाब में जीआरएम की टीम 15.5 ओवर में 73 रन बना सकी, 4 विकेट लेने वाले एसआर इंटरनेशनल के पार्थ को मैन आफ द मैच चुना गया।, चौथे क्वार्टर फाइनल में नेशनल पब्लिक स्कूल ने 21 रन से मुकुंद इंटरनेशनल पर दर्ज की जीत, मुकुंद इंटरनेशनल के 3 विकेट लेने वाले नेशनल पब्लिक स्कूल के प्रियांशु मैन आफ द मैच

10वां दिन (18 अप्रैल) – पहला और दूसरा सेमी फाइनल
पहले सेमी फाइनल में बासुबरल ने एसआर को 6 विकेट हराया, एसआर के 139 रन को बासुबरल ने 17.1 ओवर में हासिल किया, 3 विकेट लेने के साथ नाबाद 7 रन बनाने वाले बासुबरल के शाहिद सैफी मैन आफ द मैच, दूसरे सेमी फाइनल में विद्या वर्ल्ड ने नेशनल पब्लिक स्कूल को 9 विकेट से हराया, नेशनल पब्लिक स्कूल के 31 रन को विद्या वर्ल्ड ने मात्र 11 गेंदों पर हासिल किया, 2 ओवर में 5 विकेट लेने वाले विद्या वर्ल्ड के गेंदबाज लकी चुना गए मैन आफ द मैच

एसआरएमएस ट्रस्ट की चार टीमों के बीच हुआ इंटर ट्रस्ट क्रिकेट टूर्नामेंट

रोमांचक मुकाबले में पैरामेडिकल चैंपियन

नाकआउट के सभी मैच जीत फाइनल में पराजित रनर अप रही सीईटी की टीम

विजेता एसआरएमएस आईपीएस की टीम

- सीईटी बरेली को 39 रन से पराजित कर आईपीएस की टीम बनी चैंपियन
- चार विकेट लेने वाले सीईटी के फरमान फाइनल मैच में रहे मैन आफ द मैच

बरेली: एसआरएमएस आईपीएस (इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल) की टीम ने एसआरएमएस सीईटी (कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी) को 39 रन से हराकर एसआरएमएस इंटर ट्रस्ट क्रिकेट टूर्नामेंट में चैंपियन की ट्राफी अपने नाम की। 4 अप्रैल को हुए फाइनल मैच में सीईटी पर इस जीत के साथ ही आईपीएस ने इस टूर्नामेंट के नाक आउट मैच में सीईटी से 5 विकेट से मिली हार का बदला भी ले लिया। फाइनल मैच में चार विकेट लेने वाले आईपीएस के गेंदबाज फरमान मैन आफ द मैच बने। टूर्नामेंट के चार मैच में 85 रन बनाने के साथ 9 विकेट लेने वाले सीईटी के खिलाड़ी सूर्य प्रताप सिंह को मैन आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी प्रदान की गई। चार मैच में 102 रन बनाने वाले आईपीएस के बल्लेबाज मुहम्मद कैफ को बैट्समैन आफ द टूर्नामेंट, चार मैच में 11 विकेट लेने वाले सीईटी के गेंदबाज मुहम्मद अदनान अंसारी को बालर आफ द टूर्नामेंट की ट्राफी मिली। जबकि चार मैचों में 6 कैच लेने वाले पैरामेडिकल के फरमान को फील्डर आफ द टूर्नामेंट का खिताब दिया गया। टूर्नामेंट में एसआरएमएस ट्रस्ट के कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी), इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आईएमएस), इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल (आईपीएस) की टीमों के साथ कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी एंड रिसर्च (सीईटीआर) व कालेज आफ नर्सिंग की संयुक्त टीम ने हिस्सा लिया। एसआरएमएस इंजीनियरिंग कालेज स्थित श्रीराम मूर्ति क्रिकेट स्टेडियम में पहली अप्रैल से 4 अप्रैल के बीच एसआरएमएस इंटर ट्रस्ट क्रिकेट टूर्नामेंट खेला गया। इसमें सीईटी की टीम ने अपने सभी नाकआउट मैच में जीत हासिल कर 6 अंक हासिल किए। तीन मैच में दो में जीत हासिल कर आईपीएस की टीम 4 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। चार टीमों के बीच इन्हीं दोनों टीमों के बीच 4 अप्रैल को टूर्नामेंट का फाइनल मैच खेला गया। सीईटी के कप्तान रोहित गंगवार ने टास जीत कर आईपीएस को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। आईपीएस ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 149 रन बनाए। इसमें कैफ जूनियर (27 रन, 18 गेंद, 4 चौके, 1 छक्का), कप्तान कैफ (30 रन, 29 गेंद, 5 चौके), मोज्जम अहमद (27 रन, 26 गेंद, 3 चौके), मोहित राजपूत (15 रन, 19 गेंद, 1 चौका) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। जीत के लिए 150 रन का पीछा करने

टूर्नामेंट पर एक नजर

- मैन आफ द टूर्नामेंट - सूर्य प्रताप सिंह (चार मैच में 85 रन और 9 विकेट, टीम एसआरएमएस सीईटी)
- बैट्समैन आफ द टूर्नामेंट - मुहम्मद कैफ (चार मैच में 102 रन, टीम एसआरएमएस आईपीएस)
- बालर आफ द टूर्नामेंट - मुहम्मद अदनान अंसारी (चार मैच में 11 विकेट, टीम एसआरएमएस सीईटी)
- फील्डर आफ द टूर्नामेंट - फरमान (चार मैचों में 6 कैच, टीम एसआरएमएस पैरामेडिकल)

सूर्य प्रताप सिंह को मैन ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी देते चेयरमैन देव मूर्ति जी

एसआरएमएस इंटर ट्रस्ट क्रिकेट टूर्नामेंट पर एक नजर

बैट्स मैन ऑफ द टूर्नामेंट: मो. कैफ (आईपीएस)

--- मैच 01 ---

आईपीएस बनाम आईएमएस

- टास जीत कर आईपीएस ने 9 विकेट खोकर 134 रन बनाए
- आईएमएस की टीम 19.5 ओवर में 118 ही बना सकी
- **रिजल्ट:** आईपीएस ने 16 रन से मैच जीता
- **मैन आफ द मैच:** मोहित राजपूत (20 रन बनाने के साथ एक विकेट हासिल)

फील्डर ऑफ द टूर्नामेंट: मो.फरमान (आईपीएस)

--- मैच 02 ---

सीईटीआर व नर्सिंग बनाम सीईटी

- टास जीत कर सीईटीआर व नर्सिंग की संयुक्त टीम ने 14.3 ओवर में 76 रन बनाए
- सीईटी की टीम ने दो विकेट के नुकसान पर 12.4 ओवर में 79 बना कर मैच जीता
- **रिजल्ट:** सीईटी ने 8 विकेट से मैच जीता
- **मैन आफ द मैच:** सूर्य प्रताप सिंह (4 विकेट लेने के साथ नाबाद 5 रन बनाए)

--- मैच 03 ---

सीईटीआर व नर्सिंग बनाम आईएमएस

- टास जीत कर आईएमएस ने सीईटीआर व नर्सिंग की टीम ने बैटिंग के लिए आमंत्रित किया
- सीईटीआर व नर्सिंग की संयुक्त टीम ने 16.3 ओवर में 102 रन बना सकी
- **रिजल्ट:** आईएमएस ने 17.1 ओवर में 8 विकेट खोकर मैच जीता
- **मैन आफ द मैच:** धवल (13 रन दे 4 विकेट)

--- मैच 04 ---

आईपीएस बनाम सीईटी

- टास जीत कर आईपीएस ने 10 विकेट खोकर 122 रन बनाए।
- सीईटी की टीम ने 18.1 ओवर में हासिल किया जीत का लक्ष्य।
- **रिजल्ट:** सीईटी ने 5 विकेट से हासिल की जीत।
- **मैन आफ द मैच:** लवनीश गंगवार (8 रन बनाने के साथ 4 विकेट हासिल)

--- मैच 05 ---

सीईटी बनाम आईएमएस

- टास जीत कर सीईटी ने आईएमएस को बैटिंग के लिए आमंत्रित किया
- आईएमएस ने 19.5 ओवर में 109 बनाए, सीईटी ने 18.3 ओवर में 7 विकेट पर हासिल किया लक्ष्य
- **रिजल्ट:** सीईटी ने 3 विकेट से हासिल की जीत।
- **मैन आफ द मैच:** मोहम्मद अदनान अंसारी (तीन विकेट हासिल)

बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट: मो.अदनान (सीईटी)

--- मैच 06 ---

आईपीएस बनाम सीईटीआर व नर्सिंग

- टास जीत कर सीईटीआर व नर्सिंग की संयुक्त टीम ने फील्डिंग चुनी
- आईपीएस ने 156 रन बनाए, सीईटीआर व नर्सिंग की संयुक्त टीम 150 रन ही बना सकी
- **रिजल्ट:** आईपीएस ने 6 रन से जीत हासिल की।
- **मैन आफ द मैच:** आर्यन (23 रन बनाने के साथ 3 विकेट हासिल)

उतरी टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही सीईटी की टीम का पहला विकेट पहले ओवर की दूसरी गेंद पर ही अभय के रूप में गिर गया। प्रशांत चौहान दूसरे ओवर में आउट हुए। 11 ओवर में सीईटी की आधी टीम 41 ओवर में पैवेलियन लौट गई। लेकिन एक तरफ गिरते विकेटों के बीच सूर्य प्रताप सिंह ने धैर्य नहीं खोया और विकेट पर जमे रहे। दूसरे छोर पर आकाश ने उनका साथ निभाने की कोशिश की। जिससे सीईटी को फिर से जीत की उम्मीद दिखी, लेकिन 17वें ओवर में आठवें विकेट के रूप में सूर्य (31 रन, 36 गेंद, 2 चौके) के आउट होने के बाद यह उम्मीद की लौ भी बुझ गई। सीईटी की पूरी टीम 18.2 ओवर में 110 रन ही बना सकी। नतीजा आईपीएस ने 39 रन से फाइनल मैच जीत कर एसआरएमएस इंटर ट्रस्ट क्रिकेट टूर्नामेंट में चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सीईटी की ओर से आकाश ने नाबाद 26 रन (14 गेंद, 5 चौके) की पारी खेली। हर्षित शर्मा (8 रन, 9 गेंद, 1 चौका, 2 छक्के) ने आक्रामक खेल दिखाया। टूर्नामेंट में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, ट्रस्ट सेक्रेटरी आदित्य मूर्ति जी, सीईटी के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता, आईएमएस के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने आईपीएस के कप्तान कैफ को चैंपियन ट्राफी प्रदान करने के साथ मैन आफ द मैच, मैन आफ द टूर्नामेंट, बैट्समैन आफ द टूर्नामेंट, बालर आफ द टूर्नामेंट, फील्डर आफ द टूर्नामेंट रहने वाले खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान करने के साथ सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किए। देव मूर्ति जी व आदित्य मूर्ति ने विजेता टीम को बधाई देने के साथ ही सभी खिलाड़ियों को भी शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर आईपीएस की प्रिंसिपल डा.जसप्रीत कौर, डा.सोवन मोहंती, मेडिकल कालेज के डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, आईपीएस के डीएसडब्ल्यू डा. शिवांग चौधरी, क्रिकेट कोच मनीष सिंह, अनुज शर्मा, यूसुफ अंसारी, नितिन सक्सेना, शंकरपाल सहित सभी फैकल्टी व स्टाफ मौजूद रहा।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कैंसर मरीजों के लिए नई ओपीडी का उद्घाटन
अत्याधुनिक लाउंज के साथ डे केयर कीमोथेरेपी सेंटर शुरू

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज स्थित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में कैंसर मरीजों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त लाउंज के साथ डे केयर कीमोथेरेपी सेंटर और नई ओपीडी आरंभ की गई। 28 अप्रैल 2025 को संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी ने इसका उद्घाटन किया। आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. पीयूष अग्रवाल ने कहा कि 2007 में स्थापित आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में 18 वर्ष 40 हजार से ज्यादा मरीजों का सफल उपचार किया जा चुका है। मरीजों को अत्याधुनिक सुविधाएं देने के लिए मेडिकल आन्कोलाजी विभाग ने कैंसर की नई ओपीडी में अत्याधुनिक लाउंज के साथ डे केयर कीमोथेरेपी सेंटर स्थापित किया है। लाउंज में कैंसर के मरीजों को प्रीमियम सर्विसेज दी जा रही हैं। जिसमें ब्रेकलाइनर्स (जिस पर लिटाकर कीमोथेरेपी) के साथ टार्गेटेड और इम्यूनोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इस मौके पर प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डा. रोहित शर्मा, डा बिंदु गर्ग, गायनी ओंको सर्जन डा. मनोज कुमार टांगड़ी, मेडिकल आन्कोलाजिस्ट डा. अदादी श्रीनिवास नायडू, आन्को-सर्जन डा. शुभांशु गुप्ता, डा. सिद्धांत सिंह सहित सभी विभागाध्यक्ष और फैकेल्टी मौजूद रहे।

SRMS और सीमंस हैल्थ केयर के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज और सीमंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के बीच 8 मई 2005 को सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर ऐतिहासिक समझौता हुआ। इससे एसआरएमएस मेडिकल कालेज देश का तीसरा और निजी क्षेत्र का पहला आफिशियल रेफरेंस सेंटर बन गया, जहां से सीमंस, कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली अपनी टूबीम का प्रदर्शन करेगा। सीमंस हेल्थकेयर से टूबीम खरीदने से पहले ग्राहक और खरीदार इसकी अत्याधुनिक तकनीक और इसके पेशेवर उपयोग की विस्तृत जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कालेज में हासिल कर सकेंगे। सीमंस ने अभी तक देश में सिर्फ दो संस्थानों, एम्स कोयंबटूर और एम्स कोलकता से ही एमओयू साइन किया है। समझौता ज्ञापन पर एसआरएमएस इंस्टीट्यूट अश्वफ मेडिकल साइंसेज के चेयरमैन देव मूर्ति जी और सीमंस हेल्थकेयर के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर एसआरएमएस आईएमएस स्थित आरआर कैंसर एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर प्रोफेसर (डा.) पीयूष कुमार मौजूद रहे।

धन के अभाव में बेटे की कीमोथेरेपी करवाने में असमर्थ थे किसान चंद्रपाल

पूरी तरह स्वस्थ है हौजकिन लिंफोमा पीड़ित आदित्य

एसआरएमएस ट्रस्ट की आर्थिक मदद से संभव हुई कीमोथेरेपी और इलाज

बरेली: वर्ष 2018 में बारिश के बाद का वक्त था। खेतीबाड़ी कर परिवार का भरण पोषण करने वाले रामपुर के धनखेड़ी गांव निवासी चंद्रपाल और मोरवती अपने पांच वषह्मय बेटे आदित्य की गर्दन पर बढ़ती जा रही गांठ के इलाज के लिए परेशान थे। रामपुर में इलाज के बाद कोई फायदा न होने पर लोगों ने उन्हें एसआरएमएस मेडिकल कालेज ले जाने की सलाह दी। डाक्टरों ने भी उन्हें गंभीर बीमारी का इशारा कर बेटे को एसआरएमएस ले जाने को कहा। गांठ के बढ़ते जाने से चंद्रपाल 6 सितंबर 2018 को बेटे को लेकर एसआरएमएस पहुंचे और कैंसर विशेषज्ञ डा.पियूष अग्रवाल से मिले। अनुभवी डा. पियूष को हौजकिन लिंफोमा का अंदेशा हुआ लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि बायोप्सी रिपोर्ट पाजिटिव आने के बाद की। डा. पियूष कहते हैं कि बायोप्सी रिपोर्ट के बाद उन्होंने चंद्रपाल को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दर्दरहित गांठ होने के कारण कैंसर हौजकिन लिंफोमा का पता अंतिम चरण में ही चलता है, तब तक गंभीर होने से 80 फीसद मरीजों में यह लाइलाज हो जाता है। लेकिन आरंभिक चरण में पुष्टि होने से छह महीने के उपचार से ही आदित्य का स्वस्थ होना पूरी तरह संभव है। डा.पियूष ने कीमोथेरेपी आरंभ करने की बात कही। चंद्रपाल ने सारी बातें सुनी, लेकिन आर्थिक स्थिति से इलाज में असमर्थता जताई। चंद्रपाल कहते हैं कि कम से कम खर्च के बाद भी इलाज में एक लाख से ऊपर का खर्च आने से वह परेशान थे। इसीलिए उन्होंने डा.पियूष से इलाज न करवाने की बात कही। आदित्य की कम उम्र और इलाज संभव होने के बाद भी उपचार से इन्कार पर डा.पियूष ने फिर से चंद्रपाल को समझाया और खुद मदद देने के साथ संस्थान से भी मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने मासूम मरीज के इलाज और आर्थिक स्थिति की जानकारी एसआरएमएस ट्रस्ट के सेक्रेटरी एवं मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति को दी। उन्होंने समुचित इलाज उपलब्ध कराने के साथ हर तरह की सहायता स्वीकारी। आदित्य मूर्ति से मरीज की जानकारी मिलने पर राउंड टेबल ने भी आर्थिक मदद की। चंद्रपाल के बेटे आदित्य का उपचार शुरू हुआ। छह माह उपचार के बाद आदित्य पूरी तरह स्वस्थ हुआ। उपचार के दौरान नर्सरी में पढ़ने वाला आदित्य कक्षा 3 में 74 नंबरों से पास हो अब कक्षा 4 में पहुंच गया। फालोअप के लिए हर 6 महीने में चंद्रपाल और आदित्य एसआरएमएस पहुंचते हैं। चंद्रपाल और मोरवती आदित्य के सफल इलाज के लिए डा.पियूष और कैंसर की टीम को धन्यवाद देते हैं और आर्थिक सहायता से उपचार सुगम बनाने के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज को भी।

- छह माह चले उपचार के बाद सात वर्ष से पूरी तरह स्वस्थ हैं चंद्रपाल का बेटा
- इलाज के दौरान नर्सरी में पढ़ने वाले आदित्य अच्छे अंकों से कक्षा 4 में पहुंचे

क्या है हौजकिन लिंफोमा

अंगों और ऊतकों से मिलकर बना लसिका तंत्र हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली का एक अहम भाग है। इसमें लसिका ग्रंथियां, लसिका वाहिकाएं, टान्सिल, बोन मैरो (हड्डी के अंदर जहां खून बनता है), तिल्ली / प्लीहा और बाल्यग्रन्थि शामिल होती हैं। ये ऊतक लिंफोसाइट नामक सफेद रक्त कोशिकाओं का उत्पादन, भंडारण और वहन करते हैं, जो संक्रमण और बीमारी से लड़ती हैं। हौजकिन लिंफोमा लसिका तंत्र में होने वाला कैंसर है। इसमें आम लक्षण गर्दन, छाती, बगल में लसिका ग्रंथियों का दर्दरहित और फूल जाना है। लगातार तीन या उससे अधिक दिनों तक 100.4 डिग्री फॉरनहाइट या उससे अधिक बुखार आना भी इसके लक्षणों में शामिल है। हौजकिन लिंफोमा का प्रमुख इलाज कीमोथेरेपी है।

आर.आर. कैंसर इन्स्टीट्यूट एण्ड रिसर्च सेंटर (100 बेड का कैंसर हॉस्पिटल)

SRMS श्री राम मूर्ति स्मारक इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली

विश्व रंगमंच दिवस पर रंगकर्मियों ने थिएटर की बदहाली पर रखी अपनी राय

थिएटर को दर्शकों तक ले जाना ही विकल्प

कला- साहित्य और रंगमंच के ज्वलंत मुद्दों की भी आवाज बना रिद्धिमा

विश्व रंगमंच के दिवस पर उपस्थित रंगमंच के कलाकार

बरेली: चार वर्षों से भारतीय संगीत, नृत्य और कला के संरक्षण में प्रयासरत एसआरएमएस रिद्धिमा ने इन क्षेत्रों की समस्याओं, जरूरतों को भी समाज के सामने लाने की जिम्मेदारी उठानी आरंभ की है। विश्व रंगमंच दिवस पर 27 मार्च को थिएटर कल, आज और कल विषय पर परिचर्चा आयोजित हुई। इसमें बरेली से ताल्लुक रखने वाले नामचीन रंगकर्मियों ने मनोरंजन के अत्याधुनिक संसाधनों से थिएटर को मिल रही चुनौती, संसाधनों के अभाव और थिएटर से बढ़ती दर्शकों की दूरी को सभी ने एक स्वर में स्वीकारा। साथ ही इसके उत्थान के लिए सामूहिक प्रयास के साथ थिएटर में समयानुकूल बदलाव की भी बात की। रंगकर्मियों ने थिएटर को चमकाने के लिए खुद ही बदलाव और कारगर उपाय की पहल पर जोर दिया। कहा कि किसी से मदद कुछ समय के लिए मिल सकती है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। अभिनेता और ट्रेन टू पाकिस्तान सहित कई फिल्मों के निर्देशक दिल्ली निवासी अमर साह, अभिनेता व निर्देशक के साथ कठपुतली कलाकार शाहजहांपुर निवासी कप्तान सिंह कर्णधार, सात वर्ष की उम्र से रामलीला में मंच पर उतरने और 16 सौ से ज्यादा नाटकों में अभिनय करने वाले राजेंद्र घिल्डियाल, 25 वर्ष से थिएटर से जुड़ी और फिल्म अभिनेत्री शुभा भट्ट भसीन, अभिनेता, कहानीकार के साथ थिएटर की दूसरी विधाओं में पारंगत रंगकमह्न गुडविन मसीह, 22 वर्ष से थिएटर और सावधान इंडिया सहित टीवी के तमाम सीरियल में अभिनय करने वाली नीलम वर्मा और अभिनेता एवं निर्देशक विनायक कुमार श्रीवास्तव ने भी अपनी बात रखी। परिचर्चा का संचालन सौरभ गुप्ता ने किया। इस मौके पर ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, उषा गुप्ता जी, डा. रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डा.एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना, डा. रीटा शर्मा सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फोटोग्राफी वर्कशाप

फोटो से कहानी की कला

रिद्धिमा के सभागार में 17 अप्रैल 2025 को सोनी इंडिया के सहयोग से एक दिवसीय फोटोग्राफी वर्कशाप का आयोजित हुई। इसमें श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूशंस के 100 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। वर्कशाप में फोटोग्राफी के माध्यम से कहानी कहने की कला को समझाने के साथ विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में करियर के नए अवसरों से परिचित कराया गया। वर्कशाप में सोनी इंडिया के समीर अशरफ एवं उनकी टीम तथा बरेली एंटरप्राइजेज से वरुण जुनेजा ने छात्रों को फोटोग्राफी के माध्यम से कहानी कहने की कला विषय पर गहन जानकारी प्रदान की। समीर ने बताया कि आज के डिजिटल युग में फोटोग्राफी कला के साथ ही प्रभावशाली संवाद का माध्यम भी बन चुकी है। उन्होंने अपने व्यावसायिक अनुभवों और तकनीकी उदाहरणों से छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम में रिद्धिमा की सलाहकार डा. रीता शर्मा भी उपस्थित रहीं।

09 मार्च 2025 – फाल्गुन के रंग: गायन, कथक और भरतनाट्यम की त्रिवेणी

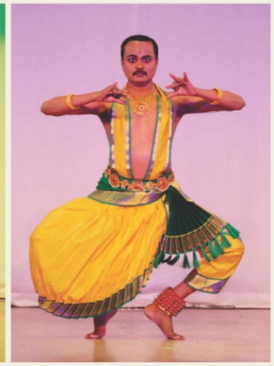

2 मार्च 2025– रूबरू थिएटर ग्रुप के संगीतमय नाटक तांडव का मंचन

9 मार्च 2025 – फाल्गुन के रंग

13 अप्रैल 2025 – भरतनाट्यम गुरुओं और विद्यार्थियों का नृत्य विहार

23 मार्च 2025 – राग रंग में हुआ कथक होली संगम

30 मार्च 2025 – पं.राधेश्याम कथावाचक के चर्चित नाटक वीर अभिमन्यु का मंचन

10 अप्रैल 2025 – गायन गुरुओं और विद्यार्थियों की शास्त्रीय रागों पर सुर लहरी

फाल्गुन लाइव आर्ट कंपटीशन में साची गर्ग विजेता

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा की ओर से फाल्गुन लाइव आर्ट कंपटीशन का आयोजन हुआ। अलखनंदा रिसार्ट में 30 मार्च को हुई इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और मौके पर ही यथार्थवादी दृश्यों की पेंटिंग बनाई। इसमें साची गर्ग ने पहला स्थान हासिल किया। जबकि दूसरा और तीसरा स्थान क्रमशः अर्श पटेल और अयशानी मिश्रा को मिला। एसआरएमएस ट्रस्ट की देविशा मूर्ति और डा.रीटा शर्मा ने विजेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए।

20 अप्रैल 2025 – अफसर की पत्नी बनी टेररिस्ट की प्रेमिका

27 अप्रैल 2025 – बांछाराम की बगिया हड़पने को जमींदार के पैंतरे

25 मई 2025 – 'आत्ममंथन' में भाई को याद कर मानसी ने बचाई सैनिक की जान

18 मई 2025 – अनंतप्रभा से रविंद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि

11 मई 2025 – गायन गुरुओं और विद्यार्थियों ने अर्पित की स्वरांजलि

04 मई 2025 – सिंफनी में स्वर और वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी

थियेटर में उपस्थित गणमान्य

एसआरएमएस सीईटी में तीन दिवसीय हैकाथान 3.0 का आयोजन

चेन्नई के आरएमडी इंजीनियरिंग कालेज की टीम चैंपियन

तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एनपीआर सीईटी की टीम दूसरे, एसआरएमएस सीईटी की टीम तीसरे स्थान पर

- हैकाथान 3.0 में विजेता टीम को 31 हजार और उपविजेता को 21 हजार का नकद इनाम
- तीसरे स्थान पर रही टीम को 11 हजार, तीन टीमों को सांत्वना पुरस्कार में मिले 5-5 हजार
- हैकाथान 3.0 में हिस्सा लेने सीईटी पहुंचीं चार राज्यों के 172 प्रतिभागियों की 46 टीमें
- तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेज की 46 टीमें हुईं शामिल
- 'स्मार्ट साल्यूशन फार ए सेफर वर्ल्ड' थीम पर प्रतिभागियों ने किया साफ्टवेयर पर काम

बरेली: तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई स्थित आरएमडी इंजीनियरिंग कालेज की टीम तीन दिवसीय हैकाथान 3.0 में विजेता बनी। जबकि तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एनपीआर कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी की टीम ने हैकाथान 3.0 में दूसरा और एसआरएमएस सीईटी की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, सचिव आदित्य मूर्ति जी ने विजेताओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देने के साथ नकद इनामी राशि व सर्टिफिकेट प्रदान किए।

1st आरएमडी इंजीनियरिंग कालेज, चेन्नई (तमिलनाडु)

2nd एनपीआर कालेज आफ इंजी. एंड टेक्नो., डिंडीगुल (तमिलनाडु)

3rd एसआरएमएस कालेज आफ इंजी. एंड टेक्नो., बरेली (उ.प्र.)

श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (सीईटी) में 27 मार्च 2025 को तीन दिवसीय हैकाथान 3.0 आरंभ हुआ। 'सुरक्षित दुनिया के लिए स्मार्ट सोल्यूशन' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्नातक और परास्नातक वर्ग में तमिलनाडु, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के तकनीकी महाविद्यालयों की 46 टीमों में 172 छात्र/छात्राएं शामिल हुए। 27 मार्च को इसका उद्घाटन एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, ट्रस्ट एडवाइजर सुभाष मेहरा और कालेज के प्रिंसिपल डा.प्रभाकर गुप्ता ने किया। कालेज के इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन काउंसिल के सहयोग से टेक एज सेल द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों ने दूसरे दिन 28 मार्च को अपने तकनीकी एवं समस्या-समाधान कौशल से प्रौद्योगिकी का उपयोग कर 'सुरक्षित दुनिया के लिए स्मार्ट साल्यूशन' थीम पर प्रोटोटाइप और माडल पर काम किया। अंतिम दिन 29 मार्च को शिक्षाविदों और नवप्रवर्तन सहित निर्णायकों के पैनल के समक्ष सभी टीमों ने अपनी प्रस्तुत दी। निर्णायक मंडल ने चेन्नई के आरएमडी इंजीनियरिंग कालेज की टीम को हैकाथान 3.0 का विजेता घोषित किया। टीम को 31,000/ रुपये के नकद पुरस्कार के साथ सर्टिफिकेट दिए गए। द्वितीय स्थान पर तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एनपीआर कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी की टीम रही। जिसे 21,000/ रुपये और तृतीय स्थान पर चुनी गई एसआरएमएस सीईटी बरेली की टीम को 11,000/ रुपये का नकद पुरस्कार मिला। एसआरएमएस सीईटी की दूसरी टीम टेक टोरनेडो. लखनऊ स्थित बंसल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी की टीम और एसआरएमएस सीईटीआर की टीम को सांत्वना पुरस्कार हासिल हुआ। जिसके तहत तीनों टीमों को 5-5 हजार रुपये का नकद पुरस्कार मिला। इस अवसर पर बैंक आफ बड़ौदा के जीएम प्रतीक अग्निहोत्री, मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, एसआरएमएस सीईटीआर के डीन डा. शैलेश सक्सेना, एसआरएमएस सीईटी के वाइस प्रिंसिपल डा.शैलेंद्र देवा, डा. एलएस मौर्य, हैकाथान 3.0 के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.सत्य देव, इंजीनियर स्मिता दिनकर, इंजीनियर अश्विनी चौहान, इंजीनियर आशीष अग्रवाल, इंजीनियर निपुन पांडेय, चीफ प्रोक्टर विवेक यादव, डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर सौरभ गुप्ता सहित सभी विभागाध्यक्ष और स्टाफ मौजूद रहे।

वूमन फिजिशियंस आफ इंडिया की पहली कान्फ्रेंस एसआरएमएस में आयोजित

रोगों से बचने को अपनाएं सक्रिय और नियमित जीवन शैली

पद्म श्री डा. अलका देशपांडेय ने वायरस जनित बीमारियों पर दिया व्याख्यान

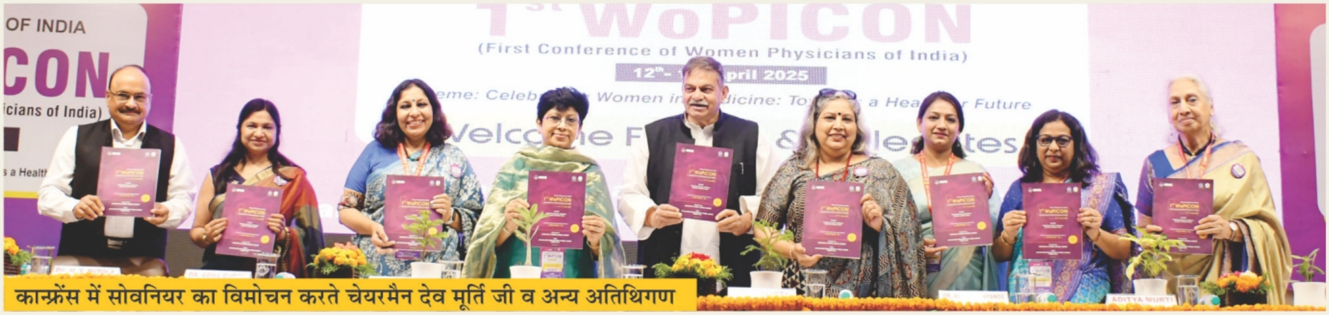

कान्फ्रेंस में सोवनियर का विमोचन करते चेयरमैन देव मूर्ति जी व अन्य अतिथिगण

- देश भर की तीन दर्जन से ज्यादा नामचीन महिला फिजिशियन एसआरएमएस पहुंचीं
- वायरस से बचाव के लिए बायो सेफ्टी के साथ हाथों की स्वच्छता अपनाना अपरिहार्य
- वैक्सीन के विरोध के बजाय इसे अपनाने से ही होगा वायरसजनित बीमारियों से बचाव

बरेली: इंसान हजारों वर्षो से सूक्ष्मजीवियों के साथ रह रहा है, लेकिन इंसानी स्वार्थ से होने वाला प्रकृति को नुकसान वायरस में बदलाव ला रहा है। इसके साथ ही इंसान की बिगड़ती आदतें और असक्रिय जीवनशैली भी सूक्ष्मजीवियों के लिए मददगार साबित हो रही है। यही वजह है कि तमाम वायरसजनित बीमारियां आपदा बनती जा रही हैं। चाहें वह सार्स, जीका वायरस से हो या एचआईवी या कोविड 19 से। इन सबसे बचाव के लिए हमें संतुलित जीवनशैली के साथ ही इससे संबंधित वैक्सीन को अपनाना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य है कि ऐसा होता नहीं। अभी भी वैक्सीन को लेकर ज्यादातर लोग जागरूक नहीं हैं या अपने पूर्वधारणाओं के चलते उसे नहीं अपना रहे। यह बात पद्म श्री हासिल करने वाली पहली महिला फिजिशियन डा. अलका देश पांडेय ने वूमन फिजिशियंस आफ इंडिया की देश में पहली बार हो रही कान्फ्रेंस में वायरस जनित बीमारियों पर दिये व्याख्यान में कही। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में दो दिवसीय (12 और 13 अप्रैल) को वूमन फिजिशियंस आफ इंडिया की पहली कांफ्रेंस आयोजित हुई। कांफ्रेंस के दूसरे दिन 13 फरवरी को कांफ्रेंस के मुख्य अतिथि पद्मश्री डा. अलका देश पांडेय, एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, डा.निर्मल यादव, आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.प्रेरणा कपूर, साइंटिफिक चेयरपर्सन डा.आभा गुप्ता, डा.पदमश्री गुलाटी और डा.स्मिता गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर कांफ्रेंस का उद्घाटन किया। डा. देशपांडेय ने कहा कि वर्ष 1970 में जब उन्होंने एमडी मेडिसिन में प्रवेश लिया, तब वह अपने बैच में इकलौती महिला थीं। धीरे धीरे इस ब्रांच में महिलाओं की संख्या बढ़ी। पिछले वर्ष वुमन फिजिसियंस आफ इंडिया का गठन हुआ और आज इसकी पहली राष्ट्रीय कांफ्रेंस, यह सपना पूरा होने जैसा है। डा.देशपांडेय ने अमेरिका की पहली महिला डाक्टर एलिजाबेथ ब्लैकवेल का भी जिक्र किया। जिन्हें सिर्फ महिला होने से किसी मेडिकल कालेज में एडमीशन नहीं मिला। संघर्ष के बाद न्यूयार्क स्थित जिनेवा मेडिकल कालेज से उन्होंने 1849 में मेडिकल की डिग्री हासिल की। एलिजाबेथ ने अपने लिए तो संघर्ष किया ही साथ ही अन्य महिला डाक्टरों के अधिकिरों के लिए भी पूरी जिंदगी आवाज उठाई। उन्होंने न्यूयार्क में महिला मेडिकल कालेज की

पद्मश्री डॉ. अचला देशपांडेय को स्मृति चिह्न देते चेयरमैन देव मूर्ति जी

डा. आसिमा अरोडा और डा.दीप्ति सिंह विजयी

वूमन फिजिशियंस आफ इंडिया की पहली कांफ्रेंस के दौरान एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पीजी क्विज और पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन हुआ। पीजी क्विज में रुहेलखंड मेडिकल कालेज की डा. आसिमा अरोड़ा और डा.दीप्ति सिंह को पहला स्थान हासिल हुआ। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डा.भुवन दुआ और डा.दारव इंम्तियाज को दूसरा स्थान और बीआरडी मेडिकल कालेज की डा.कामना पांडेय और डा.रोमाला गौतम को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। पीजी क्विज का संचालन डा.मालिनी कुलश्रेष्ठ और मीनाक्षी अवस्थी ने किया। पोस्टर प्रेजेंटेशन में पहला पुरस्कार संयुक्त रूप से डा.कृतिका छाबड़ा (एसआरएमएस) और डा.साई कृति (जीएमसी हल्दवानी) को मिला। दूसरा पुरस्कार डा.अभय कुमार सिंह (एसआरएमएस) और डा.ईशा वर्मा को दिया गया। तीसरा पुरस्कार डा.मनाली (एसआरएमएस) और सांत्वना पुरस्कार डा.सोनाक्षी चौहान और पिया वार्ष्णेय को मिला।

स्थापना की। और बाद में अमेरिका छोड़ इंग्लैंड चली गई जहां लंदन स्कूल आफ मेडिसन फार वूमन में स्त्रीरोग विभाग में प्रोफेसर बनी। उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने वूमन फिजिसियंस आफ इंडिया की पहली कांफ्रेंस में शामिल सभी महिला चिकित्सकों को बधाई दी। उन्होंने इस तरह की कांफ्रेंस के हर वर्ष जारी रहने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस मेडिकल कालेज कांफ्रेंस के लिए हमेशा तैयार है। कालेज के प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने उद्घाटन सत्र में सभी का स्वागत किया। आयोजन की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी एवं एसआरएमएस मेडिकल कालेज के मेडिसिन विभाग की एचओडी डा.स्मिता गुप्ता ने सभी का आभार जताया। 13 अप्रैल को उद्घाटन सत्र के साथ कांफ्रेंस में 4 साइंटिफिक सत्र हुए। इसमें पद्मश्री डा. अलका देशपांडेय ने वायरस जैसे सूक्ष्मजीवियों पर विस्तार से चर्चा की और सार्स से लेकर कोविड 19 तक सभी वायरसजनित महामारी का जिक्र किया। इसने पोलिटिकल, इकोनामिक, साइकोलाजिकल, सोशियोलाजिकल, राजनीतिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक पहलुओं की भी जानकारी दी। साथ ही बचाव के उपाय बताए और इसके लिए जागरूकता को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि वायरस से बचाव के लिए बायो सेफ्टी के साथ हाथों की स्वच्छता अपनाना सभी के लिए अपरिहार्य है। वैक्सीन का विरोध करने के बजाय हम जितनी जल्दी इसे अपना लेंगे उतना ही हम खुद भी वायरसजनित बीमारियों से दूर रहेंगे और समाज को भी महामारी की चपेट में आने से बचाएंगे। इसके लिए सभी को इम्यूनिजाइनेशन कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। साथ ही दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने के साथ वैक्सीन लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। कांफ्रेंस में डा. वेणु जामवाल (जम्मू) के यूटीआई रिस्क फैक्टर्स और मैनेजमेंट पर, डा.रेनू सैगल (जयपुर) ने लूपस नेफ्रिटिस पर व्याख्यान दिया। डा.श्रुति शर्मा (बरेली) ने प्रेग्नेंसी के दौरान थाइराइड डिसआर्डर की जानकारी दी। डा. रुचि गुप्ता (जयपुर) ने महिलाओं में दिल की बीमारी और इसके अंतर को बताया और डा.मनीषा द्विवेदी (प्रयागराज) ने प्रेग्नेंसी के दौरान लिवर डिसआर्डर पर व्याख्यान दिया। डा.शशिबाला आर्य ने पालीसिस्टिक ओवरी डिसआर्डर पर व्याख्यान दिया। डा.जलिस फातिमा (लखनऊ) ने फाइब्रोमायल्जिया, डा.रितु करोली (लखनऊ) ने हाइपोड्रेनेलिज्म, डा. अनुभा श्रीवास्तव (प्रयागराज) ने महिलाओं में मोनोपाज के बाद होने वाले वासोमोटर सिम्टम्स की जानकारी दी। डा. मीना छाबड़ा (दिल्ली) ने हर उम्र में महिलाओं की बोन हेल्थ की जानकारी दी। डा.शाजिया सिद्धिकी (लखनऊ) ने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर व्याख्यान दिया तो डा.अदिति श्रीवास्तव ने साइकोलाजिकल, सोशल और स्पिरिचुएल पहलुओं को शामिल करते हुए महिलाओं की पैलिएटिव केयर पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर डा.पद्माश्री गुलाटी (झांसी), डा.आभा गुप्ता (मेरठ), डा.जेबा सिद्दीकी (लखनऊ), डा.अस्मिता देशमुख (नवी मुंबई), डा.अर्चना पाटे (नवी मुंबई), डा.एस लक्ष्मी बल (आंध्र प्रदेश), डा.मीनाक्षी अवस्थी (गोरखपुर), डा.निधि मिश्रा (प्रयागराज) और डा. शक्ति कंसल (बरेली), डा.नीलिमा मेहरोत्रा, डा.मालिनी कुलश्रेष्ठ, डा.अस्मिता देशमुख (नवी मुंबई), डा.अर्चना पाटे (नवी मुंबई), डा.मीनाक्षी अवस्थी (गोरखपुर), डा.निधि मिश्रा (प्रयागराज), डा.प्रेरणा कपूर (लखनऊ), मंजू पांडेय (मथुरा), डा.मनीषा गुप्ता (मोहाली), डा.हिना सिंह (मेरठ) और डा.गुंजन मित्तल (नोएडा), डा.आनंदिता सेठ (लखनऊ), ऋतु दास चौधरी (नवी मुंबई), डा.पूनम अग्रवाल, डा. पीके बास, डा.शरद अग्रवाल, डा.राजीव गुप्ता, डा.दर्शन मेहरा, डा.सचिन अग्रवाल उपस्थित रहे।

मेटाबालिक डिसआर्डर का जोखिम महिलाओं में ज्यादा

दो दिवसीय कांफ्रेंस के पहले दिन 12 अप्रैल को डा.प्रेरणा कपूर (लखनऊ), मंजू पांडेय (मथुरा), डा.मनीषा गुप्ता (मोहाली), डा.हिना सिंह (मेरठ) और डा.गुंजन मित्तल (नोएडा) ने महिलाओं में मेटाबालिक डिसआर्डर पर व्याख्यान दिया। विशेषज्ञों ने कहा कि मेटाबोलिक डिसआर्डर की स्थिति में मोटापा, डिस्लिपिडेमिया, उच्च रक्तचाप और डायबिटीज होना आम है। यह डिसआर्डर पुरुषों और महिलाओं दोनों में सामान्य है। लेकिन पोस्टमेनोपाजल महिलाएं अधिक प्रभावित होती हैं। इसमें दिल का दौरा, स्ट्रोक और कार्डियक फेल्योर होने की संभावना अधिक होती है। इसके लिए भोजन में कार्बोहाइड्रेट कम और प्रोटीन अधिक वाला संतुलित आहार लेने के साथ सक्रिय और नियमित शारीरिक गतिविधियां आवश्यक हैं। डा.अनुपमा (जम्मू) ने बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के दिमाग में खून का थक्का जमने की दिक्कत, डा.अनामिका सावंत(मुंबई) वर्कशाप में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, डा.अश्वनी पाटिल (मुंबई) ने चिकित्सकों के लिए उपयओगी विभिन्न मोबाइलल एप्लिकेशन की जानकारी दी। डा.स्नेहलता वर्मा ने स्वस्थ रहने में एआई की अहमियत पर व्याख्यान दिया। डा.दीपक दास (एसआरएमएस बरेली) ने कंटीन्यूअस ग्लूकोज़ मानिटरिंग (CGM) और एंबुलटरी ब्लड प्रेशर मानिटरिंग (ABPM) पर वर्कशाप में जानकारी दी। ऋतु दास चौधरी (नवी मुंबई) ने महिलाओं को वित्तीय प्रबंधन पर व्याख्यान दिया।

एसआरएमएस मेडिकल कालेज में पेन अपडेट में विशेषज्ञों ने कहा

दर्द स्वाभाविक, रोकना बड़ी चुनौती

पेन मैनेजमेंट से कैंसर जैसे असाध्य दर्द का भी उपचार संभव: डॉ. भंडारी

सीएमई में उपस्थित चेयरमैन देव मूर्ति जी, मुख्य वक्ता डॉ. विजय अदाबाला व अन्य

बरेली: दर्द स्वाभाविक है। कभी भी किसी को भी कैसा भी दर्द हो सकता है। यह होना ही है और इसे रोकना आज की सबसे बड़ी चुनौती। अच्छी बात है कि इसे कम किया जा सकता है और यह चिकित्सकों के हाथ में है। यह बात एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 4 मई को आयोजित पेन अपडेट सीएमई और वर्कशाप में विशेषज्ञों ने कही। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एनेस्थीसिया और पेन मेडिसिन विभाग की ओर से इंडियन सोसायटी आफ पेन क्लीनिसियन के तत्वावधान में 4 मई को एक दिवसीय पेन अपडेट सीएमई एवं वर्कशाप आयोजित हुई। इसके उद्घाटन सत्र में संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने दर्द पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चोट लगने पर तो दर्द होता ही है, इसके साथ कटने, हड्डी टूटने और अश्वपरेशन पर भी दर्द होता है। सह दर्द ही हैं। लेकिन हर तरह का दर्द अलग है। इसके मायने अलग हैं और इसकी तकलीफ भी अलग है। ऐसे में दर्द को रोकना और इसके असर को कम से कम करना चिकित्सक की नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीकों और रिसर्च की जानकारी आवश्यक है। इसी के लिए पेन अपडेट का आयोजन किया गया। इसमें कैंसर सहित हर तरह के असाध्य दर्द के निदान की जानकारी सभी ने साझा की। उम्मीद है इससे चिकित्सकों को फायदा होगा और मरीजों को राहत मिलेगी। उद्घाटन समारोह में पेन अपडेट 2025 की आर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डा.गीता कार्की के कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी और पेन मैनेजमेंट की चुनौतियों को भी बताया। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसा असाध्य दर्द भी रिसर्च और प्रोटोकाल की अत्याधुनिक

डॉ. विजय अदाबाला को स्मृति चिह्न देते चेयरमैन देव मूर्ति जी

दीप प्रज्जवलन

जानकारी से कम किया जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए पेन अपडेट 2025 का आयोजन किया गया। पेन अपडेट 2025 के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.बैभव भंडारी ने सभी का आभार जताया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा.शुभ्रा ने किया।

इससे पहले सुबह 8.30 बजे आरंभ इस सीएमई में एम्स रायबरेली के डा.विजय अदाबाला ने कैंसर के दर्द के उपचार के लिए डब्ल्यूएचओ की एनालिसिस पर व्याख्यान दिया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डा.बैभव भंडारी ने पेन फिजिशियन के लिए फ्लोरोस्कोपी पर रिसर्च की जानकारी दी। एम्स ऋषिकेश के प्रोफेसर (डा.) अजीत कुमार ने कैंसर के असाध्य दर्द को कम करने पर व्याख्यान दिया। एम्स गोरखपुर के डा.रवि शंकर शर्मा, डा.ज्योति पठानिया, डा.एके सिन्हा, डा.निहारिका अरोड़ा, डा.आदित्य पाल महेश्वर ने कैंसर सहित विभिन्न तरह के दर्द पर अपना व्याख्यान दिया। इस मौके पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, एसआरएमएस मेडिकल कालेज की आफिशिएटिंग प्रिंसिपल डा. बिंदु गर्ग, आर्गनाइजिंग को चेयरपर्सन डा.जूही सरन और डा.केसी शर्मा, साइंटिफिक चेयरर्सन डा.धीरज सक्सेना और डा.विश्वजीत सिंह, ज्वाइंट आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा.एसके लोहानी, वर्कशाप कोआर्डिनेटर डा.अशिता मोवार, डा.अखिलेश पहाड़े, रुहेलखंड मेडिकल कालेज, राजश्री मेडिकल कालेज, टीएमयू और वरुण अर्जुन के पेन फिजिशियन सहित विभिन्न विभागों के एचओडी, फैकल्टी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

वर्ल्ड हियरिंग डे पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी से दें बच्चों को गुणवत्तापूर्ण जीवन

जीवन भर के लिए बच्चों को न होने दें सुनने और बोलने में अक्षमः आदित्य मूर्ति

एसआरएमस में कोक्लियर इम्पलांट के बाद स्वस्थ हुये बच्चों के साथ मनाया गया वर्ल्ड हियरिंग डे

बच्चों को केक खिलाते चेयरमैन देव मूर्ति जी

बरेलीः वगर्ड हियरिंग डे (विश्व श्रवण दिवस) पर 3 मार्च 2025 को एसआरएमएस मेडिकल कालेज में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। ईएनटी एंड एचएनएस विभाग द्वारा चेंज इन माइंडसेटः इंपावरिंग योरसेल्फ (मानसिकता में बदलाव से खुद को सशक्त बनाएं) टैग लाइन से आयोजित इस कार्यक्रम में कोक्लियर इंप्लांट के बाद स्वस्थ हुए सुनने और बोलने में असमर्थ बच्चों ने केक काटा और फिर श्लोक, गाने, कविता सुनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और मूक बधिरता के उन्मूलन के लिए सभी को जागरूक किया। इन बच्चों को संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी ने गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, ईएनटी एंड एचएनएस विभागाध्यक्ष प्रोफेसर (डा.) रोहित शर्मा, डा.अमित राणा के दीप प्रज्वलन और और सरस्वती वंदना के साथ जागरूकता कार्यक्रम आरंभ हुआ। आदित्य मूर्ति जी ने कहा कि एक काक्लियर इम्प्लांट सर्जरी में करीब 6-7 लाख रुपये का खर्च आता है। ऐसे में महंगी होने के कारण ज्यादातर माता पिता इसकी अनदेखी कर देते हैं। जिससे बच्चे जिंदगी भर के लिए मूक और बधिर हो जाते हैं। इसे देखते हुए वर्ष 2016 में एसआरएमएस में कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम आरंभ हुआ। संस्थान के अगुआ देव मूर्ति ने प्रति वर्ष दो बच्चों का आपरेशन ट्रस्ट के फंड से कराने का वायदा किया, जिसके बाद यहां आपरेशन आरंभ हुआ। अब सरकार ने अपने कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम में एसआरएमएस को शामिल किया। जिससे यहां पर हर जरूरतमंद बच्चे का आपरेशन कर उनकी जिंदगी को गुणवत्तापूर्ण बनाया जा रहा है। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में अब तक करीब 35 बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की जा चुकी है। बच्चों के लिए यहां पर स्क्रीनिंक कार्यक्रम भी संचालित है। जिसके तहत यहां पैदा होने वाले सभी नवजात बच्चों की स्क्रीनिंक की जाती है। प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला ने कहा कि कान के अंदरूनी हिस्से काक्लिया में हजारों कोशिकाएं होती हैं। जो ध्वनि तरंगों को इलेक्ट्रिकल सिंग्नल में बदलती हैं। इन्हीं इलेक्ट्रिकल सिंग्नल को बाद में श्रव्य तंत्रिकाओं द्वारा प्राप्त किया जाता है, जो संदेश को दिमाग तक पहुंचाती है। इसमें किसी तरह की दिक्कत होने पर हमारी सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। आज के समय श्रव्य तंत्रिकाओं को सबसे ज्यादा क्षति तेज आवाज और इयर फोन से हो रही है। ऐसे में इयर फोन का कम से कम इस्तेमाल करें और तेज आवाज में बजते लाउड स्पीकर या डीजे के खिलाफ भी आवाज उठाएं। इससे पहले प्रोफेसर (डा.) रोहित शर्मा ने सभी का स्वागत किया और वर्ल्ड हियरिंग डे की जानकारी दी। कान के अंदरूनी हिस्से में स्थित काक्लिया के खराब होने पर सुनने और बोलने की क्षमता प्रभावित होती है। इसका इलाज काक्लियर इंप्लांट सर्जरी ही है। इसमें सर्जरी से कान के अंदरूनी हिस्से काक्लिया में इलेक्ट्रानिक उपकरण इंप्लांट किया जाता है। जो कान के बाहर लगे उपकरण से संचालित होता है। आपरेशन की यह पूरी प्रक्रिया काक्लियर इम्प्लांट सर्जरी कहलाती है। इस आपरेशन के बाद बच्चे सुनने और बोलने में सक्षम हो जाते हैं। कार्यक्रम के अंत में डा.ममता वर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी के बाद स्वस्थ हुई बच्ची प्रियांशी प्रजापति ने किया। क्वीज कंपटीशन का संचालन डा.आशीष मेहरोत्रा ने किया। इस मौके पर डीन यूजी डा.बिंदू गर्ग, डीएसडब्ल्यू डा.क्रांति कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, ईएनटी एंड एचएनएस विभाग के सभी डाक्टर, पीजी विद्यार्थी और एमबीबीएस स्टूडेंट मौजूद रहे।

वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे पर एसआरएमएस मेडिकल कालेज में लगा कैंप

12 डायबिटिक मरीजों में भी शुगर अनियंत्रित

- हाइपरटेंशन के 28 नए मरीजों को नहीं थी बीपी ज्यादा होने की जानकारी जांच में ज्यादा शुगर मिलने वालों को भी नहीं था इसका पता
- बीएमडी टेस्ट में 15 फीसद मरीजों की हड्डियां मिली खोखली 30-40 वर्ष के युवाओं में आस्टियोपोरेसिस की जानकारी मिली

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस (वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे) पर निशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया गया। मेडिसिन विभाग की ओर से लगाए गए इस कैंप में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, एचबीएवनसी, लिपिड प्रोफाइल, थायराइड, किडनी फंक्शन टेस्ट, यूरीन एल्बुमिन क्रिटेनिन रेशियो, पेरीफेरल न्यूरोपैथी, बीएमडी की निशुल्क जांचें की गई। कैंप में 275 लोगों ने जांच करवाई। इनमें 12 मरीज ऐसे मिले जो कई वर्षों से शुगर नियंत्रित करने की दवाई ले रहे थे। जांच में फिर भी उनकी शुगर अनियंत्रित मिली। जांच में अधिक शुगर मिलने वालों को भी शुगर ज्यादा होने की जानकारी नहीं थी। कैंप में हाइपरटेंशन के 28 नए मरीजों मिले। इन्हें जांच रिपोर्ट आने से पहले ब्लड प्रेशर ज्यादा होने की जानकारी नहीं थी। यह बात कैंप के कोआर्डिनेटर और मेडिसिन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डा.दीपक दास ने दी। डा.दीपक दास ने बताया कि कैंप में 15 फीसद मरीजों ऐसे मिले, जिनके बीएमडी टेस्ट में हड्डियां खोखली होने का पता चला। 30-40 वर्ष के अधिकांश युवाओं में आस्टियोपोरेसिस की जानकारी मिली। यह सब अनियमित असक्रिय दिनचर्या, असंतुलित खानपान की वजह है। आज के समय में 30 वर्ष से ऊपर के लगभग सभी लोग हाइपरटेंशन के जोखिम में हैं। इसके प्रमुख कारणों में बैठे-बैठे काम करना, तनावपूर्ण जीवनशैली, व्यायाम की कमी, अत्यधिक नमक और फास्ट फूड का सेवन, तथा नींद की कमी शामिल हैं। अब तो ग्रामीण भारत में भी हाइपरटेंशन के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हाइपरटेंशन की समय रहते पहचान, उपचार और जीवनशैली में बदलाव अत्यंत आवश्यक हैं ताकि हृदय रोग और संबंधित जटिलताओं से बचा जा सके। कैंप में मेडिसिन विभाग की अध्यक्ष डा.स्मिता गुप्ता, डा.एमके मेहरोत्रा, डा.श्रुति शर्मा, डा.वलीम अहमद, डा.आरके टंडन, डा.जहीन इलियास, डा.प्रतीक सिंह और अन्य फैकेल्टी मौजूद रहे।

एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड पर वर्कशाप आयोजित

बरेली: गैस्ट्रोएंटरोलाजी के क्षेत्र में चिकित्सकों की जानकारी बढ़ाने और प्रैक्टिकल कुशलता के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (ईयूएस) पर 25 मई को एक दिवसीय वर्कशाप हुई। मेडिकल कालेज के गैस्ट्रोएंटरोलाजी विभाग की ओर से आयोजित इस वर्कशाप में एकेडमिक लेक्चर, लाइव सर्जरी के साथ प्रेक्टिकल प्रशिक्षण के सेशन हुए। गाजियाबाद के प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटरोलाजिस्ट डा. संजय गर्ग ने मुख्य अतिथि के रूप में एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड के मूलभूत सिद्धांतों, वर्तमान की क्लीनिक जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए र्ईयूएस की एबीसी पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में गैस्ट्रो संबंधित बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। इनमें इससे संबंधित कैंसर भी एक है। ऐसे में हम सबको इस क्षेत्र में हो रहे शोधों और अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी जरूरी है। इसी की मदद से गैस्ट्रो के मरीजों का उपचार आसार होगा। इसके लिए ऐसे वर्कशाप महत्वपूर्ण हैं। जहां व्यावहारिक प्रशिक्षण मिल सके। डा. गर्ग ने एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (ईयूएस) के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी और इसकी मदद से आरंभिक चरणों में गैस्ट्रो संबंधित दिक्कतों का आसानी से पता लगाने पर जोर दिया। एसआरएमएस आईएमएस के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला ने क्लीनिकल कार्यशाला आयोजित करने के लिए टीम को बधाई दी और ऐसी वर्कशाप पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड पर हो रही रूहेलखंड रीजन की इस पहली वर्कशश्रप से इस फील्ड के चिकित्सकों को निसंदेह लाइफ होगा। इसका फायदा मरीजों को भी मिलेगा। इससे पहले वर्कशाप का आरंभ में आयोजन समिति की आर्गनाइजिंग चेयरमैन एवं जनरल मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. स्मिता गुप्ता ने सभी का स्वागत किया और वर्कशाप के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस तरह की एकेडमिक वर्कशाप को जानकारी के आदान-प्रदान के लिए महत्वपूर्ण बताया। अंत में वर्कशाप के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. शिवम गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान को सराहा। वर्कशाप में प्रमुख रूप से जीएमसी हल्द्वानी के गैस्ट्रोएंटरोलाजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. एससी जोशी, एसआरएमएस के डीन पीजी डा. रोहित शर्मा, डा. राजीव टंडन, डा. मनोज गुप्ता, डा. नम्रता सिंह, डा. वत्स गुप्ता के साथ-साथ बरेली, हल्द्वानी और मुरादाबाद के कई गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट शामिल रहे।

एसआईएमएस में तंबाकू न सेवन करने की शपथ

अनुभवी चिकित्सक से ही कराएं कैंसर का इलाज

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 31 मई 2025 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में ओंकोलाजी विभाग के डा. हिमांशी खट्टर, डा. अनीश एके, डा. सोमदत्ता सिंघा, डा. श्रद्धा श्रीवास्तव, डा. निहारिका जसूजा, डा. नितिन मालवीय, डा. श्वेता सिंह ने नुक्कड़ नाटक के जरिये तंबाकू के दुष्परिणामों को बताया और इससे जागरूक किया। आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के निदेशक व कैंसर विशेषज्ञ प्रोफेसर (डा.) पियूष कुमार ने मरीजों और तीमारदारों को खुद तंबाकू न खाने और किसी अन्य को भी इसे न खाने से रोकने की शपथ दिलाई। डा.पियूष ने कहा कि तंबाकू से कई तरह के कैंसर हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में बिना घबराए अनुभवी और कुशल कैंसर विशेषज्ञ और संस्थान में परामर्श से इलाज कराना चाहिए। आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में 20 से ज्यादा वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ की अनुभवी टीम पिछले 18 वर्ष से कैंसर के मरीजों का इलाज कर रही है। यहां 45 हजार से ज्यादा कैंसर के मरीज आयें। 12 हजार से ज्यादा कैंसर मरीजों ने रेडियोथेरेपी और 13 हजार से ज्यादा ने कैंसर सर्जरी करवाई। हमारी टीम 40 हजार से ज्यादा कैंसर मरीजों ने कीमोथेरेपी, 39 सौ से ज्यादा ब्रेकीथैरेपी और 7.5 हजार से ज्यादा पेट स्कैन कर चुकी है। हम रेडिएशन ओंकोलाजी के साथ ही मेडिकल और सर्जिकल ओंकोलाजी के साथ ही कीमोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और टार्गेटेड थेरेपी भी कर रहे हैं। इस मौके पर मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा. सीएम चतुर्वेदी, डा.अरविंद चौहान, डा.प्राची भारद्वाज, डा.राशिका सचान, डा.अदादि श्रीनिवास नायडू, डा. प्राची भारद्वाज आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट की टीम और स्टाफ मौजूद रहा।

नर्सिंग कालेज में केक काट कर मनाया अंतरराष्ट्रीय नर्स डे

मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण नर्सों का सम्मान

बरेली: श्रीराम मूर्ति स्मारक कालेज आफ नर्सिंग में आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती पर 12 मई को केक काट कर धूमधाम से अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया। एसआरएमएस ट्रस्ट के अध्यक्ष देव मूर्ति जी और सचिव आदित्य मूर्ति जी ने नर्सिंग छात्रों और शिक्षकों को आशीर्वाद देने के साथ उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। समारोह में नर्सों सम्मानित भी किया गया। दीप प्रज्ज्वलन, सरस्वती वंदना और संस्थान गीत के बाद कार्यक्रम शुरू हुआ। अतिथियों के संबोधन और नर्सों के सम्मान के बाद केयरिंग हैंड्स क्लब की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आरंभ हुआ। गायन, फैशन शो, एकल नृत्य, युगल नृत्य में नर्सिंग छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में नर्सों के वास्तविक जीवन के संघर्ष, समर्पण और करुणा को दर्शाती हुई स्किट का भी मंचन हुआ। अंत में सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट के साथ पुरस्कार वितरित किया गया। इससे पहले एसआरएमएस आईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डा. (कर्नल) आरपी सिंह ने नर्सिंग पेशेवरों के साहस और समर्पण की प्रशंसा की। एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग की प्रिंसिपल डा. मुथु महेश्वरी ने कार्यक्रम की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य– नर्सों की देखभाल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाती है की जानकारी दी। डिप्टी मेट्रन नीतू ने सभी का स्वागत किया। नर्सिंग की भूमिका पर विद्यार्थियों ने विभिन्न पोस्टर बनाए। इनका मूल्यांकन मुख्य अतिथि मेट्रन मैडम ने किया। अंत में नर्सिंग के एसोसिएट प्रोफेसर मयंक कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया एवं अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन तान्या चौहान और सिमरनजीत कौर ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर पारसराम सहित कालेज के सभी फैकेल्टी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1998 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कहानी

विनम्रता

लेखक- दीपक पन्त, शिव शक्ति भवन विराक नगर, नबाबी रोड हल्द्वानी जिला नैनीताल

एक समय की बात है, एक गांव में केशवदास नाम का एक सीधा-सादा विद्वान ब्राह्मण रहता था, वह अपनी विनम्रता के लिये विख्यात था। वह प्रतिदिन सुबह शाम गांव के मंदिर में पूजा पाठ करने जाता था और वहां उपस्थित लोगों को अपने विनम्रता भाव से पूर्ण उपदेश देता था। उसी गांव में प्रजापति नाम का ब्राह्मण भी रहता था। केशवदास और प्रजापति के बीच एक समय घनिष्ठ मित्रता थी। लेकिन केशव दास की बढ़ती हुई प्रसिद्धि के कारण प्रजापति उससे ईर्ष्या करने लगा और उसे अपने से नीचा दिखाने के अवसर तलाशने लगा। केशवदास से मुकाबला करने के लिये प्रजापति भी एक अन्य मंदिर में कथा सुनाने लगता है, लेकिन उसकी कथा में वह विनम्रता का भाव नहीं था जो कि केशवदास के कथा सुनाने में था, इसी कारण प्रजापति के सम्मुख कथा सुनने को कमोवेश ही श्रोता मंदिर के प्रांगण में एकत्र हो पाते थे। जबकि दूसरी ओर केशवदास की कथा सुनने के लिए श्रोताओं की भीड़ उमड़ी रहती थी। इस बात से प्रजापति और अधिक खिन्न हो गया और उसके मन में ईर्ष्या की भावना और अधिक हो गयी। इस कारण से अब धीरे-धीरे प्रजापति केशवदास से दूर रहने लगा और बोलचाल भी बन्द कर दी, लेकिन केशवदास इसका अलग ही मतलब समझता था वह सोचता था कि शायद उसने कोई गलत कार्य कर दिया होगा, जिससे प्रजापति उससे नाराज रहने लगा है। धीरे-धीरे प्रजापति के दिल में केशवदास के प्रति कटुता बढ़ती ही चली गयी। अब वह कुछ चिड़चिड़ा सा हो गया था। उसकी पत्नी लक्ष्मी भी उसके इस आकस्मिक परिवर्तन से हैरान थी। ईर्ष्या की भावना धीरे-धीरे उसके अन्दर घर कर गयी और उसे अन्दर ही अन्दर खोखला बनाती गयी। एक दिन की बात है प्रजापति भूखा-प्यासा कहीं से घर लौट आया तो अपनी पत्नी लक्ष्मी को घर मे न पाकर उसके मन में विचार आया कि कहीं वह केशवदारस के विनम्र वचन सुनने तो नहीं चली गयी। इस विचार मात्र से ही उसका चेहरा क्रोध से तमतमा उठा और वह उलटे पांव ही उस मंदिर की ओर गया जहां केशवदास अपने उपदेशों से प्रकाश फैला रहा था। जैसे ही प्रजापति वहां पहुंचा वहां उसकी नजर अपनी पत्नी पर पड़ी जो कि वहां पर श्रद्धापूर्वक केशवदास के वचनों को सुनकर ग्रहण कर रही थी। इस दृश्यमात्र से ही प्रजापति की भौहें तन गयीं और उसने केशवदास को फटकारते हुए कहा तुम मूर्ख हो, तुम कथा के रहस्य को क्या जानते हो। तुमसे भी अधिक मूर्ख ये श्रोता हैं जो तुम्हारी अर्थहीन कथा सुनने चले आते हैं। प्रजापति के इस क्रोधपूर्ण गर्जन से वहां उपस्थित सभी लोग स्तब्ध रह गये। केशवदास तो यह समझ भी नहीं पा रहे थे कि आखिर उन्होंने ऐसा क्या अपराध कर दिया जो प्रजापति जैसे विद्वान उनसे इस तरह नाराज हो गये हैं। इस घटना से केशवदास एक अपराधी की भांति सन्न रह गये। श्रोताओं में से किसी ने भी प्रजापति की बातों का उत्तर नहीं दिया यह केशव दास के विनम्र वचनों को सुनने का ही प्रभाव था। प्रजापति की पत्नी जो कि वहां पर बैठी हुई केशवदास की कथाओं को सुन रही थी, क्षुब्ध होकर तुरन्त वहां से घर चली गयी। प्रजापति भी उनके पीछे-पीछे घर लौट आये।

घर आकर प्रजापति ने अपनी पत्नी को केशवदास की कथा सुनने जाने के कारण खूब फटकारा, लेकिन कथा सुनने से मिली विनम्रता की अद्वितीय प्रतिभा से लक्ष्मी विनम्र बनी रही और इस बात का बिना कोई उत्तर दिये हुए वह अपने पति के लिए भोजन इत्यादि का प्रबन्ध करने में लग गयी। जब भोजन तैयार हो गया तो लक्ष्मी ने प्रजापति से खाने का आग्रह किया। परन्तु क्रोध की धधकती आग से उसकी भूख पहले ही जलकर नष्ट हो गयी थी। पति के भोजन न करने पर लक्ष्मी ने भी भोजन नहीं किया और दोनों भूखे ही सो गये। थकी-हारी और भूखी प्यासी लक्ष्मी को जल्दी ही गहरी निद्रा ने अपने शरण में ले लिया, दूसरी ओर प्रजापति क्रोधभाव से अशान्त मन होने के कारण सो नहीं पा रहे थे। वह तो केवल करवट बदलते ही रह गये। उस स्थिति में जब कि घर का कण-कण प्रजापति के क्रोध की अग्नि में धू-धू कर जल रहा था तो उनकी पत्नी लक्ष्मी साक्षात शान्ति और विनम्रता की प्रतिमूर्ति दिखायी दे रही थी। उनकी पत्नी के अंग अंग से विनम्रतारूपी शीतल जल के फब्बारे प्रस्फूटित हो रहे थे और लग रहा था कि मानों वे फब्बारे प्रजापति की ईर्ष्यारूपी क्रोध की अग्नि को बुझाने का कार्य कर रहे हों। वास्तव में यह देखकर प्रजापति का क्रोध शान्त होने लगा और उसके हृदय में केशवदास के प्रति ईर्ष्या का भाव धीरे-धीरे कम होने लगा। धीरे-धीरे केशवदास की विनम्रता प्रजापति को स्मरण आयी, उन्हें याद आने लगा कि किस तरह उसके कटुवचनों को सुनकर भी केशवदास ने उसक कोई प्रतिकार नहीं किया था। इसके अतिरिक्त श्रोताओं ने भी जिस तरह से केशवदास के विनम्रतापूर्ण सदवचनों को सुनकर विनम्रता का परिचय दिया था, वह भी उन्हें याद आने लगा था। इस सारे दृश्य ने

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 1998 में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कहानी

प्रजापति की आंखे खोल दीं और वह ग्लानि से भर गया। उसने सोचा कि उसने ईर्ष्यावश अपने मित्र को खो दिया हैं। जबकि केशवदास के विनम्रतारूपी भगवान ने प्रजापति के ईर्ष्यारूपी राक्षस का नाश कर दिया। प्रजापति सोचने लगा कि ईर्ष्यारूपी राक्षसी प्रवृत्ति के प्रकोप से ही उसने विनम्र केशवदास का और साथ-साथ गांव वालो का अपमान कर दिया है। वह अपने मन ही मन में सोचने लगा कि उनसे यह एक घोर पाप हो गया है, जिसका वे शायद ही कभी प्रायश्चित कर पायेंगे, वे सोचने लगे कि उनके द्वारा किया गया यह पाप कभी भी उन्हें सुखी नहीं रहने देगा। इसी पश्चाताप की अग्नि में झुलसते हुए वे सोचने लगे कि क्यों न केशवदास से क्षमा मांग ली जाये क्योंकि विनम्र व्यक्ति काफी क्षमाशील होते हैं और वे मुझ जैसे ईर्ष्यालु व्यक्ति को भी अवश्य ही क्षमादान प्रदान करेंगे। पत्नी को सोया देखकर वे उसी समय घर से बाहर निकल पड़े और केशवदास के घर की ओर चल दिये, यह एक जाड़ों की रात थी। कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। बाहर अंधेरा छाया हुआ था। इसलिये प्रजापति अपने हाथ में प्रकाश के लिए एक लैम्प लेकर केशवदास के घर की ओर जाने लगे। रास्ते में उन्हें धीमे प्रकाश में दिखाई दिया कि कोई व्यक्ति उस कड़ाके की ठंडी रात में ठंडी ओस पर बैठा हुआ था। प्रजापति ने आवाज दी कौन हो भाई। इस तरह ठंड में क्यों बैठे हुए हो ? क्या तुम घर से निष्कासित कर दिये गये हो अथवा तुम्हारे पास रहने के लिए कोई निवास स्थान नहीं है ? उस व्यक्ति से कोई उत्तर न पाकर प्रजापति उसकी ओर बढ़े और उसके पास जाकर लैम्प की सहायता से ज्यों ही उस व्यक्ति के चेहरे को देखा तो वे एकदम भौचक्के से रह गये। उन्हें ऐसा लगा मानो उनकी हृदयगति एक क्षण के लिये रूक गयी हो। आखिर आश्चर्य होता भी तो क्यों न वह केशवदास ही तो था। जिसके घर प्रजापति जा रहे थे। प्रजापति को अपने पास खड़ा देखकर केशवदास उनके चरणों में गिर पड़ा और बोला, आप ने मेरा दोष दिखला दिया, इसके लिए मैं आपका कृतज्ञ हूं। लेकिन मुझसे आपके प्रति क्या अपराध बन पड़ा है, यह मैं अभी तक नहीं जान पाया हूं, कृपया आप मुझे मेरे अपराध से अवगत करा दें, जिससे उस अपराध की पुनरावृत्ति मुझसे फिर न हो सके। मैं अपराधी हूं अत: आप कहां जा रहे हैं मुझे ज्ञात नहीं है। लेकिन जहां भी जा रहे हैं, मुझे क्षमा करने के उपरान्त ही जायें। यद्यपि अभी भी मैं आपके प्रति अपराध ही कर रहा हूं, लेकिन मैं काफी दुखी हूं। मैं उस अनजाने अपराध का प्रायष्चित करने को ही इस कड़ाके की ठंडी रात में बाहर बैठा हुआ हूं। कृपा करके अपनी महानता का परिचय देकर मुझ अपराधी को क्षमा करें।

केशवदास की यह विनम्रता प्रजापति के लिये और अधिक बोझिल हो गयी। कहां तो प्रजापति केशवदास से क्षमा मांग कर अपना पाप हल्का करना चाहते थे और कहां केशवदास ही उनके चरणों में गिरकर अश्रुओं की वर्षा कर एक न किये अपराध के लिये क्षमादान की विनती कर रहे थे। यह तो विनम्रता की पराकाष्ठा थी। शायद ही इससे पहले कभी इस तरह की विनम्रता के दर्शन प्रजापति ने किये होंगे। प्रजापति ग्लानिवश अपने अश्रुओं को रोक न सके, उधर केशवदास की अश्रु वर्षा भी जोरो पर थी। यह एक ऐसा दृश्य था जिसे देखकर लगता था कि मानो विनम्रता प्रजापति के चरणों में शरण मांग रही हो और दूसरी ओर प्रजापति पूर्णरूप से विनम्रता के आगोश में समा जाना चाहते हों। इन दोनों के रूदन को सुनकर लक्ष्मी भी बाहर आ गयी और दोनों विद्वानों के रोने को देख वह भी रोने लगी, उसका भी रोना रूक नहीं रहा था। यह हृदय परिवर्तन का एक लोमहर्शक दृश्य था। यह एक ऐसा दृश्य था जिसमें सभी पात्र विनम्रता की सुधाधारा से अभिशिक्त हो रहे थे।

आखिरकार केशवदास के सम्मुख प्रजापति खुद को रोक न सके और उन्होंने वह सब केशवदास को बता दिया जिस कारण वह उस सभा में केशवदास पर बरस पड़े थे। उसने बताया कि किस तरह से वह ईर्ष्या भावना से ग्रस्त होकर अपने पुराने मित्र के प्रति दुर्भावना का शिकार हो गये थे और अपनी विद्वता की बलि चढ़ा दी थीं, लेकिन केशवदास की विनम्रता ने उसकी ईर्ष्या का नाश कर दिया है। यह बात सुनकर केशवदास ने कहा गलती मेरी भी है जो मैं अकेले प्रसिद्धि बटोरना चाहता था। इस पर प्रजापति ने कहा अब तुम कुछ मत कहो मित्र तुम्हारी महानता का मैं पहले से ही आभारी हूं, अब मुझे अपनी विनम्रता के बोझ के नीचे और न दबाओ। इस तरह से दोनों मित्रों ने अपने गिले शिकवे मिटाकर एक दूसरे को गले से लगा लिया और इसी के साथ कहानी का पटापेक्ष हो जाता है। इस तरह से इस कहानी के माध्यम से हमें यह शिक्षा मिलती है कि विनम्रता सभी अवगुणों का नाश करती है। जिस तरह से इस कहानी में केशवदास के विनम्र स्वभाव के कारण प्रजापति के ईर्ष्या, क्रोध आदि अवगुण दूर हो गये। उसी तरह से हमें भी अपने स्वभाव में विनम्रता का समावेश करना चाहिए, जिससे कि हम अपने साथ-साथ दूसरों के अवगुणों को भी समाप्त करने का प्रयास कर सकें। कहा भी गया है कि विनम्रता मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। इसके बिना मनुष्य का कोई भी आभूषण व्यर्थ है।

समाप्त...

एनाटामी विभाग में न्यूरोएनाटामी, एंब्रियोलाजी, एंथ्रोपोमेट्री की नव स्थापित लैब का उद्घाटन

एनाटामी के ग्रुप 24 ने जीता पहला पुरस्कार

नव स्थापित लैब का उद्घाटन

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एनाटामी विभाग की ओर से आयोजित चार्ट कंपटीशन 'एनाटोकैनवाल' (ANATOCANVAS) में विद्यार्थियों के ग्रुप 24 ने पहला पुरस्कार हासिल किया। एमबीबीएस 2024 बैच के लिए आयोजित इस कंपटीशन में दूसरा पुरस्कार ग्रुप नंबर 6 और तीसरा पुरस्कार ग्रुप नंबर 26 मिला। ग्रुप नंबर 4, 3, 7, 19 और 28 को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एनाटामी विभाग में न्यूरोएनाटामी, एंब्रियोलाजी और एंथ्रोपोमेट्री की नव स्थापित लैब का भी उद्घाटन हुआ। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 26 अप्रैल 2025 को संस्थान के चेयरमैन देव मूर्ति जी, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा. एमएस बुटोला, एनाटामी डिपार्टमेंट की एचओडी डा.नमिता मेहरोत्रा ने एमबीबीएस 2024 बैच के विद्यार्थियों के लिए हुए चार्ट कंपटीशन 'एनाटोकैनवाल' (ANATOCANVAS) में विजेताओं को पुरस्कृत किया। एनाटामी विभाग में हुए चार्ट कंपटीशन में निर्णायक मंडल में शामिल डा. एसके सागर, डा.शशिबाला आर्य, डा.वंदना नेगी, डा.बिंदू गर्ग और डा.मीनाक्षी जिंदल ने इंगुनल कैनाल (Inguinal Canal) के चार्ट को पहला स्थान दिया। इसे बनाने वाले ग्रुप 24 (आयुषि, आयुष्का पांडेय, भांगे योगेश हरिभाऊ, भास्कर सत्यम, भूमिका वार्ष्णेय) को सर्टिफिकेट व मेडल प्रदान किया गया। निर्णायक मंडल ने डूरल वेनस (Dural Venous) का चार्ट बनाने वाले ग्रुप 6 (वैभव सिंह, वंश सिकरी, वत्सल नरेंद्र दूधिया, वेदांत शर्मा, विदुषि श्रीनेत्र) को द्वितीय पुरस्कार के लिए चुना। Ischioanal Fossa के चार्ट को तीसरा स्थान मिला। इसे बनाने वाले ग्रुप 26 (अश्लेषा सुनील कटोले, आस्था पटेल, अविनाश राज, आयुश गर्ग, आयुश मिश्रा को भी मेडल के साथ सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। चार्ट कंपटीशन 'एनाटोकैनवाल' (ANATOCANVAS) में ग्रुप 4 के ब्रेकिल प्लेक्सस (Brachial Plexus) ग्रुप 3 के अर्टेरियल आर्च आफ द हेड (Arterial Arches of the Head), ग्रुप 7 के कोर्स आप द एक्सर्नल कोरोटिड आर्टरी (Course of the EÛternal Carotid Artery), ग्रुप 19 अर्टरी एंड नर्वल आफ द थाई (Artery and Nerves of the Thigh) और ग्रुप 28 चार्ट कोइलिक ट्रंक, पेनक्रियाज, ड्यूडेनम एंड स्प्लिन (Coeliac Trunk) Pancreas] Duodenum and Spleen) को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। मौके पर चेयरमैन देव मूर्ति जी ने एनाटामी विभाग में न्यूरोएनाटामी, एंब्रियोलाजी और एंथ्रोपोमीट्री की नव स्थापित लैब का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन डा.कंचन बिष्ट ने किया। इस मौके पर डा.शंभु प्रसाद, डा. धनंजय कुमार, डा.समता तिवारी मौजूद रहे।

प्रथम पुरस्कार ग्रुप नंबर 24 (Inguinal Canal) – आयुषि, आयुष्का पांडेय, भांगे योगेश हरिभाऊ, भास्कर सत्यम, भूमिका वार्ष्णेय

द्वितीय पुरस्कार ग्रुप नंबर 6 (Dural Venous) – वैभव सिंह, वंश सिकरी, वत्सल नरेंद्र दूधिया, वेदांत शर्मा, विदुषि श्रीनेत्र

तृतीय पुरस्कार ग्रुप नंबर 26 (Ischioanal Fossa) – अश्लेषा सुनील कटोले, आस्था पटेल, अविनाश राज, आयुश गर्ग, आयुश मिश्रा

एडवांस नी आर्थोस्कोपी कोर्स आईएएस वन में अस्थि रोग विशेषज्ञ हुए शामिल

नवीनतम शोधों, तकनीकों और बदलावों पर व्याख्यान

इंडियन आर्थोस्कोपी सोसायटी के तत्वावधान में हुआ एडवांस नी आर्थोस्कोपी कोर्स

आर्थोस्कोपी कोर्स के उद्घाटन पर उपस्थित चेयरमैन देव मूर्ति जी, मुख्य वक्ता डॉ. राजीव रमन, डॉ. विनोद पागरानी, डॉ बुटोला व डॉ. संजय गुप्ता

स्मृति चिह्न

बरेली: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 31 मई को एडवांस नी आर्थोस्कोपी कोर्स में देश के नामचीन अस्थि रोग विशेषज्ञों ने नवीनतम शोधों, तकनीकों और इस क्षेत्र में हो रहे बदलावों की जानकारी दी। इंडियन आर्थोस्कोपी सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित इस पहले कोर्स आईएएस वन में रुहेलखंड के ज्यादातर आर्थोपेडिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में जाने माने अस्थिरोग विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता डा.राजीव रमन ने इस कोर्स को सभी के लिए लाभप्रद बताया और इसकी जरूरत पर बल दिया। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के आर्थोपेडिक विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय एडवांस नी आर्थोस्कोपी कोर्स 'आईएएस वन' के उद्घाटन सत्र में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी ने युवाओं में फास्ट ड्राइविंग के प्रति बढ़ते रुझान और इससे होने वाले हादसों की स्थिति को गंभीर बताया और ऐसे हादसों में घायलों के उपचार के लिए आर्थोपेडिक विभाग, इमरजेंसी एवं ट्रामा सर्जरी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं के इस शौक की वजह से दुर्घटनाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इनके उपचार में और भी स्किल की जरूरत है। ऐसे कोर्स आर्थोपेडिक विशेषज्ञों की कुशलता को बढ़ाते हैं। उन्होंने मेडिकल में शोध को बढ़ावा देने के लिए एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से 7 करोड़ का बजट निर्धारित करने की भी जानकारी दी। उन्होंने हादसों में घायलों के उपचार के लिए ट्रामा सेंटर की जरूरत पर जोर दिया और मेडिकल कालेज में शीघ्र ही विश्वस्तरीय इमरजेंसी एवं ट्रामा सर्जरी यूनिट स्थापित करने की घोषणा की। इससे पहले आर्थोपेडिक विभाग के प्रमुख प्रोफेसर (डा.) संजय गुप्ता ने सभी का स्वागत किया और एडवांस नी आर्थोस्कोपी कोर्स की जानकारी दी। उन्होंने आयोजन को सफल बताया और कहा कि इससे स्किल और ज्ञान में बढ़ोत्तरी हुई। इसका फायदा मरीजों को मिलेगा। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रोफेसर (डा) अपसर खान ने अतिथियों सहित सभी डेलीगेट्स का आभार जताया और धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन डा.राहुल ने किया। एडवांस नी आर्थोस्कोपी कोर्स 'आईएएस वन' में डा. राजीव रमन, डा.आशीष कुमार श्रीवास्तव, डा.विनीत जैन, डा.धनंजय शबत, डा. समीर वर्मा, डा.पुनीत अग्रवाल, डा.जफर इकबाल, डा.नीरज प्रजापति, डा.रोहिल मेहता ने नवीनतम शोधों, तकनीकों और बदलावों पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डा.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डा.आरपी सिंह, बरेली आईएमए अध्यक्ष डा.विनोद पागरानी, बरेली आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डा.प्रमेंद्र महेश्वरी, डा.एसके कौशिक, डा.प्रदीप पांडेय, डा.आलोक शर्मा सभी विभागाध्यक्ष और पीजी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

THE STAIN

It's not red ink.
It's not a drop of blood.
It is the pain of every woman who were avoided from society.

It is not a short period.
It is a year having only one week,
With full of cries and pain.
The week they hate the most.

Is it a curse or blessing?
Because it is all about belief.
How can she be impure ?
How can she be untouchable?

How can you do this to me?
By keeping your eyes open.
How can you be silent ?
By having a good voice.

How long do you never mind this?

Because she is your sister, your wife,
You are a part of me
Because she is your mother.

I will be a free bird.
From the day you open your eyes.
From the day you raise your voice.
The day you realise the pain.

- **Tiya Jaiswal**,
BBA 2nd Semester, IBS

THE SIGMA PHENOMENON: A WILD RIDE THROUGH ALPHABET SOUP

Ah, "Sigma." The word that sounds like it could be a cool nightclub, a secret society, or the latest fitness craze. But what is Sigma? A Greek letter? A personality type? A meme? Spoiler alert: it's all of the above, and then some. Sigma (?) started as a humble Greek letter, minding its math business. Then, the internet decided it needed a glow-up. Now, it's the face of memes, personality debates, and corporate jargon.

The "Sigma Male" archetype? The Sigma Male is portrayed as the rugged, self-sufficient type who doesn't need validation from anyone. He doesn't lead the pack-he leaves the pack. In real life, a Sigma Male is just a guy who eats lunch in his car because he likes peace and is quiet.

But online, he's Batman, John Wick, and a guy who once said "no thanks" to a group project - rolled into one. Sigma energy is all about doing your own thing. It's not just a letter-it's a lifestyle. And yes, skipping plans? That's peak Sigma.

- **Kritarth Tiwari**,
BBA 3rd Semester, IBS

मेहनती किसान

यह कहानी है एक किसान की, जो बहुत मेहनती था। बड़ी मेहनत से खेतों में अनाज उगाता और उसकी देखभाल करता। पर अक्सर फसल खराब हो जाती थी। कभी सूखा पड़ जाता, कभी बाढ़ आ जाती, या कभी तेज धूप, और कभी आंधी। किसी ना किसी वजह से उसकी फसल खराब हो ही जाती थी। एक दिन वह पेड़ के नीचे बैठकर अपनी बर्बाद हुई फसल देख रहा था। तभी वह गुस्से में आसमान की तरफ देखकर भगवान से बोला ष्मालिक आपको सब लोग महान मानते है और सबसे ज्यादा ज्ञानी मानते हैं, कहते हैं कि आप सब जानते हैं, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि आपको कुछ भी नहीं पता। मुझे यह लगता है कि आपको तो यह भी नहीं पता होगा, कि फसल कैसे होती है। अगर आप यह जानते होते, तो हर समय जो बाढ़, आंधी और तूफान आते हैं, वह कभी नहीं आती। आप नहीं जानते कि कितना नुकसान उठाना पड़ता है हम किसानों को। अगर मेरे हाथ में शक्ति होती कि जैसा मैं चाहूं, वैसा मौसम हो जाए, तो फिर आप देखते मैं फसल को कितने अच्छे तरीके से उगाता। तभी ऊपर से एक आवाज आई, मैं तुझे यह ताकत देता हूं कि आज से तू जैसा चाहे वैसा मौसम करके अपनी फसल को उगा सकता है और अपनी फसलों की हिफाजत कर सकता है।

एक दो दिन गुजारने के बाद किसान ने फिर से अपने खेत में गेहूं की फसल उगाई, अब किसान के पास तो शक्ति थी, वह जैसा चाहे वैसा मौसम कर सकता था। तो किसान ने आंधी, तूफान और बाढ़ कुछ भी उसने अपने खेतों पर आने नहीं दिया। किसान ने अपनी फसलों को बबर्बाद होने से बचाया, और उस साल उस किसान के खेत में ऐसी फसल हुई, जो पहले कभी नहीं हुई ही। मन-ही-मन किसान बहुत खुश हो रहा था कि भगवान को बताऊंगा, कि इसे कहते हैं शक्ति का सही इस्तेमाल। कुछ दिन और गुजरने के बाद फसल काटने के लिए तैयार हो गई। किसान बड़ी उत्सुकता के साथ फसल काटने लगा। जैसे ही उसकी नजर गेहूं की बालियां पर पड़ी, वह हैरान हो गया। क्योंकि उन बालियों में, गेहूं के दाने ही नहीं थे। एक भी बाली के अंदर, गेहूं का दाना नहीं था, सारी बालियां अंदर से खाली थी। अब वह किसान बड़ा परेशान हो गया और भगवान को पुकारने लगा। वह जोर-जोर से चिल्ला कर यह कह रहा था। भगवान शायद तूने मुझे कोई सजा दी है। तभी ऊपर से आवाज आई कि मैंने तुम्हें कोई सजा नहीं दिया है, बल्कि इसकी जिम्मेदार तो, तुम खुद हो। तुमने अपने पौधों को संघर्ष करने का मौका ही नहीं दिया। न तो तुमने उन्हें आंधियों से जूझने दिया, न ही तेज बारिश सहने और न ही धूप में तपने दिया। एक भी चुनौती का सामना तुमने उन्हें नहीं करने दिया, इसलिए सारे पौधे अंदर से खोखले रह गए। जब आंधी, तूफान, तेज बारिश और धूप पड़ती है तभी यह पौधे संघर्ष करते हैं, और इसी संघर्ष से ताकत पैदा होती है। जिसमें पावर होता है, उर्जा होती है और इसी संघर्ष से गेहूं का दाना बनता है। तूने उन्हें बुरे वक्त से गुजरने ही नहीं दिया, जहां उनका विकास होता। सारी बालियां इसीलिए खोखली रह गई, क्योंकि तुमने अपने पौधों को संघर्ष कराया ही नहीं। दोस्तों यही परिस्थितियां हमारे साथ भी होती है। इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है, कि बुरा वक्त जो होता है, जिसे लोग संघर्ष कहते है, स्ट्रगल कहते हैं, यहीं से एक इंसान की तरक्की होती है। आपको पता होगा कि जब एक डायरेक्टर कोई मूवी बनाता है तो डायरेक्टर सबसे डिफिकल्ट रोल, अपने बेस्ट एक्टर को देता है। तो जब भी आपको ऐसे लगे, कि आपकी जिंदगी में तकलीफ है। बहुत ज्यादा समस्या है और आपकी किस्मत खराब है, तब बस तैयार हो जाइए, क्योंकि भगवान ने यह सारी समस्याएं आपको ही क्यों दीं ? क्योंकि उसे पता है, कि आप इन सब को पार कर आगे निकल सकते हो। जरा सोच कर तो देखिए कि अगर आपकी जिंदगी में कोई समस्या न हो, कोई संघर्ष ना हो, तब जिंदगी जीने में मजा ही नहीं आता है।

- **Divya Jaiswal**
BBA 2nd Semester, IBS

SKY WILL LIKE THERE

I always wonder, how the sky above your head must be? Is it the same as mine? Sometimes serenely painted in blue and white, sometimes just with a tinge of blue with lots of pinkish-orange patches, or all ambered or is it clad in black at times with no clouds?

Tell me about the embellishments with which your sky is adorned. Does it have the same sun, moon, stars, lights, rainbows, scents, and birds? Are the kites flying in yours similar to the ones in mine? What colors they are? Is it purple, pink, or yellow and do they have long, flaunty tails too? I always wonder about your sky which is somewhere, far away than mine.

- Chanpreet Kaur
BBA 5th Semester, IBS

WIRED SOULS

We speak in pings, in likes, in shares,
Lost in clouds, yet unaware.

Our thoughts compressed to fleeting trends,
But where do echoes find their ends?

The night is lit by phantom screens,
Blue light dreams and silent screams.
A million faces, yet so few near,
The loudest voices drown out fear.

We build with code, reshape the sky,
Yet ask the stars who we defy.
Will progress craft a world more kind,
Or leave the heart a step behind?

- Devyani Rastogi
BBA 5th Semester, IBS

मैं भूल गया जन्नत

मैं भूल गया जन्नत
जब पहली बार खोली थी अपनी आंखे
तब देखा था मां तेरा चेहरा
छोटा सा था मैं धड़क रही थी सांसे
मैं भगवान से मांग रहा था मन्नत
खुशी मिले मेरे हिस्से में
जब तुने मुझे पहली बार गोद में उठाया
तब मैं भूल गया जन्नत
तेरे आँचल में छिप के संसार देखता था
तेरी वो कमजोर सी बाँहों में
खुद को सुरक्षित महसूस करता था
छोटा सा था मैं समझ नहीं पाता था चाल
तेरी आंखो से ही बदलती दुनिया देखा था मै
तेरी हर एक डाट में
मेरा भविष्य उज्जवल नजर आता था
उस समय में बच्चा था समझ नहीं पाता था
मैं रो जाता था, तुम चुप कराती थी
कभी चूहे तो कभी शेर की कहानी सुनाती थी
तेरे हाथो से एक कोर खाने में
आनंद मिलता था
कोई पूछता था मां के बारे में
कोई शब्द नहीं है मेरे पास
मैं यही कहता था।
जिसके प्यार को महसूस करना पड़ता है
वो शब्दों से ब्यान नहीं होती
मां कोई नाम नहीं जो किताब में उतार दिया करते हैं
यह तो एक अहसास है
जो दिल में समा लिया करते है।

- Sandeep Sharma
BBA 3rd Semester, IBS

IMAKEITHEL: THE ICONIC MOTHER'S MARKET OF MANIPUR

Nestled in the heart of Imphal, Imakeithel which means mother's market is the remarkable symbol of women empowerment and economic self sufficiency. It is the world's largest all women run market, with a history dating back several centuries. Imakeithel is not a just marketplace it is a testament to the strength, resilience, and entrepreneurial and spirit of Manipuri women. The origins of imakeithel can be tracked back to the 16th century, during the rule of Metei kings. Traditionally, men in Manipur engaged in agricultural activities and warfare, while women took charge of trade and commerce. Over time, this practice evolved into a organized market place exclusively managed by women, eventually becoming an integral part of Manipur's socio economic fabrics.

Today Imakeithel is home to more than 5000 women vendors, selling a wide variety of goods including hand woven textiles, fresh vegetables, fruits and spices, handcraft, pottery and bamboo products etc. the market is divided into sections, each dedicated to different types of goods, creating an organized and efficient system. What make it unique is that only women can own and operates stall, ensuring economic independence for thousands of families.

Imakeithel is more than just a market place, it is a living example of gender equality and cultural heritage. It serves as an inspiration for women entrepreneurs across India and the world. As Manipur continues to evolve, Imakeithel stands as a beacon of resilience and tradition, reminding us of the power of women in shaping economic and society.

- Prachi Sharma
BBA Final Year, IBS

10 May 2025

SRMS IMS - फेयरवेल पार्टी बैच 2020

11 March 2025

SRMS IBS - मेलोडी मीट्स मोशन विद होली इमोशन

7-8 March 2025

SRMS CETR - ट्रस्ट लेवल शतरंज टूर्नामेंट

सीईटीआर में 7–8 मार्च 2025 को ट्रस्ट लेवल शतरंज टूर्नामेंट हुआ। इसमें सीईटीआर, सीईटी, नर्सिंग, मेडिकल और पैरामेडिकल के छात्रों ने हिस्सा लिया। आईएमएस के मोहम्मद हंजल विजेता रहे। ट्रस्ट संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

7 May 2025

SRMS CET - खुशी और सफलता पर व्याख्यान

सीईटी के ट्रेनिंग, डेवलपमेंट एंड प्लेसमेंट विभाग की ओर से 7 मई को गैस्ट लैक्चर हुआ। इसमें जेपी ग्रुप कंपनीज के डायरेक्टर आलोक गौर ने खुशी और सफलता पर व्याख्यान दिया। इसके साथ ही उन्होंने इस विषय से संबंधित विद्यार्थियों को सवालों के जवाब भी दिए।

Nursing Paramedical Unnao -
5 गांवों को गोद लिया

उन्नाव स्थित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल साइंसेज ने 'उन्नत भारत अभियान' के तहत ग्रामीण विकास हेतु उन्नाव के पांच गांव गौरा कठेरुआ, मुहारी, बिचपरी, हिम्मतगढ़ और रायपुर खेलेमऊ को गोद लिया है। कालेज यहां बुनियादी ढांचे के विकास के साथ ही विभिन्न स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम संचालित करेगा।

आईबीएस में नेशनल स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड की ओर से वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम हुआ। इससे महिला सशक्तिकरण में वित्तीय साक्षरता की महत्वपूर्ण भूमिका को मजबूत किया और छात्रों को अपने वित्त का प्रबंधन करने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

22 May 2025

SRMS IBS - वित्तीय साक्षरता से महिला सशक्तिकरण

24 May 2025

SRMS IPS - फेयरवेल पार्टी

झलक मिस फेयरवेल और प्रणव मिस्टर फेयरवेल बने। दिव्यांशी सिंह को मिस वर्सेटाइल और आर्यन को मिस्टर वर्सेटाइल के साथ बीओटीटी की छात्रा नूरिश को सर्वश्रेष्ठ कलाकार चुना गया

सीईटीआर में 17 अप्रैल को ट्रस्ट स्तर की कला प्रतियोगिता आयोजित हुई। ड्रा योर इमेजिनेशन टैग लाइन पर आधारित इस प्रतियोगिता में नृत्य और वाद्ययंत्रों के माध्यम से कला और संस्कृति को प्रोत्साहित किया गया। इसमें सीईटीआर से अंशुल सक्सेना ने पहला स्थान हासिल किया। सीईटी की ऋषिका गोयल को दूसरा और नर्सिंग से चंद्र प्रताप सिंह को तीसरा स्थान मिला। नर्सिंग की आस्था, आईपीएस की आकांक्षा और अर्जुन यादव को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

17 April 2025

SRMS CETR - कला प्रतियोगिता

16 May 2025

SRMS IBS - रील मेकिंग प्रतियोगिता

आईबीएस में 16 मई 2025 को 'रील मेकिंग प्रतियोगिता' हुई। इसमें प्रतिभागियों ने एसआरएमएस कैंपस की सुंदरता, भावना और बुनियादी ढांचे को कैप्चर करने वाले छोटे रील वीडियो बनाए। इसमें यश, अविनाश, आर्यन, आयुष और गौरव की एमबीए प्रथम वर्ष की टीम को विजेता चुना गया।

उन्नाव स्थित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल साइंसेज में अंतरराष्ट्रीय नर्स सप्ताह के दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। इसमें मेहंदी प्रतियोगिता में मुस्कान (जीएनएम प्रथम वर्ष), मटकी सजावट में सिमरन और गायत्री (एएनएम प्रथम वर्ष) को प्रथम स्थान हासिल हुआ। इसी तरह मोनो एक्ट में श्रेया (जीएमएम द्वितीय वर्ष) एवं भाषण प्रतियोगिता में तान्या (जीएनएम द्वरीय वर्ष), पोस्टर प्रतियोगिता में ग्रुप 10 को, रंगोली प्रतियोगिता में गायत्री, एलिस और आंचल (एएनएम प्रथम वर्ष) को प्रथम स्थान हासिल हुआ। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. शमिल सी.बी, नर्सिंग अधीक्षक पूजा यादव और नर्सिंग ट्यूटर तनुजा पंत मौजूद रहे।

5 May 2025

Nursing Paramedical, Unnao–अंतरराष्ट्रीय नर्स सप्ताह

18-19 April 2025

SRMS CETR - स्पंदन-2025 का आयोजन

एसआरएमएस सीईटीआर, ला कालेज और नर्सिंग कालेज की ओर से सीईटीआर में 18-19 अप्रैल को सांस्कृतिक फेस्ट स्पंदन-2025 का आयोजन हुआ। इसमें मिडिया कैनवास, मैजिक आफ वायस, पाइरेट हंट, सोलो डांस, स्ट्रीट प्ले एवं क्लैश आफ बैन्ड जैसी स्पर्धाएं आयोजित हुई।

10 May 2025

SRMS IPS - पैरा एक्सपो

24 April 2025

SRMS IBS - फेयरवेल पार्टी दसविदानिया

आईबीएस में 24 अप्रैल 2025 को एमबीए, बीबीए, बीसीए और बीकाम (एच) के छात्रों के लिए फेयरवेल पार्टी दसविदानिया 3.0 आयोजित हुई। इसमें पीजी कैटेगरी में एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र हिमांशु राज को और यूजी कैटेगरी में बीबीए अंतिम वर्ष के आयुष कुमार गौतम और अनुष्का शुक्ला को मिस्टर और मिस फेयरवेल चुना गया। इस मौके पर आईबीएस के एडमिनिस्ट्रेटिव कोआर्डिनेटर प्रो. दीपक बत्रा, वरिष्ठ संकाय सदस्य तनु दुबे, डा. वैभव श्रीवास्तव और डा. तन्मय पंत मौजूद रहे।

NEW EMPLOYEE

(Till May 2025)

Dr. Tarun S Gangwar
Professor &
Dean (Academics)
IBS, Unnao

Dr. Prateek Singh
Asst. Prof.
General Medicine
IMS, Bareilly

Dr. Jasbir Singh
Asst. Prof.
MD (Pharmacology)
IMS, Bareilly

Dr. Mousumi Das
Asst. Prof.
MD (Pharmacology)
IMS, Bareilly

Dr. Atul Kumar
Asst. Prof & Consultant
M.ch.(Surgical Gastro.)
IMS, Bareilly

Dr. Dhaval S. Chaudhari
Asst. Prof
MD (General Medicine)
IMS, Bareilly

Dr. Pallav Singhal
Asst. Prof.
Md (Pediatrics)
IMS, Bareilly

Dr. Srishti Agrawal
Asst. Prof
MD (Dermatology)
IMS, Bareilly

Dr. Vats Gupta
Asst. Prof & Consultant
DM (Gastro-enterology)
IMS, Bareilly

Dr. Ankita Kumari
Assistant Professor
Management
SRMS IBS, Unnao

Nivedita Singh
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
CET, Bareilly

Anamta Abbas
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
CET, Bareilly

Pooja Gupta
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
CET, Bareilly

Mona
Asst. Professor
Information Technology
CET, Bareilly

Hareem Fatima
Asst. Professor
B. Pharma
CET, Bareilly

Kapil Kumar
Asst. Professor
Computer Sci & Engg.
CET, Bareilly

Ashish
Manager
Administration
SRMS Trust, Bareilly

Suneeta
Tutor, B.sc Nursing
Nursing College
Unnao

Pooja Maurya
Tutor, B.sc Nursing
Nursing College
Unnao

Tejasui Prasad
Manager B. Development
Administration
Hospital, Unnao

एसआरएमएस ट्रस्ट के
संस्थानों में संबद्ध
होने वाले सभी नए एवं
पदोन्नत साथियों को
बधाई एवं शुभकामनाएं ...

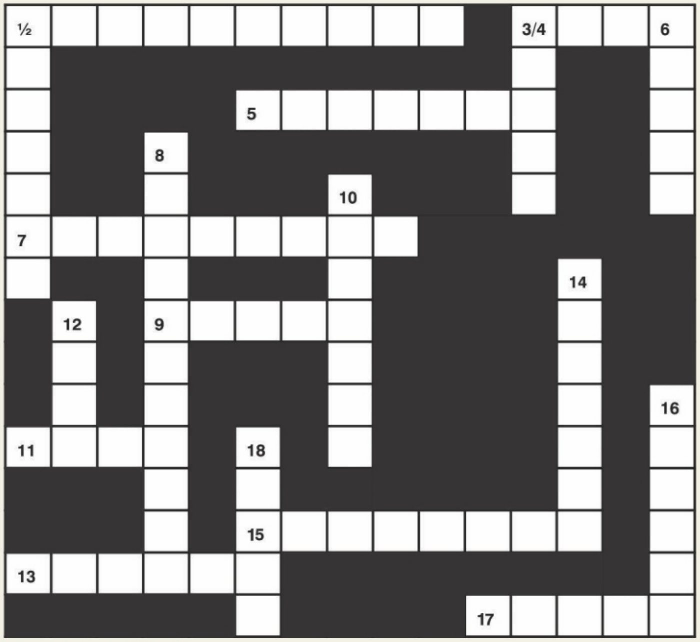

Crosswords No. 35

HORIZONTAL

1. One of the two double-landlocked countries in the world starting with the letter 'U'
3. Was invaded by USA in 2003
5. Happiest country in the world in 2024
7. National animal is Kangaroo
9. Land of the great Pyramids
11. Capital is Havana
13. Largest country in the world
15. Was born from the 1947 partition
17. Home of the Mt. Everest

VERTICAL

2. Capital is Montevideo
4. Most populous country in the world
6. Only country with the letter 'Q'
8. Tulip capital of the world, also known for windmills
10. Largest cave in the world is located here
12. Capital is Lima
14. The Pope resides here/ Smallest country in the world
16. Largest country in South America
18. Land of the Rising Sun

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 35

	5			3			9	
7			9		6			2
9			1		7			4
		2		9		4		
		7	2		5	3		
		5		6		9		
5			6		4			1
2			3		8			9
	8			7			4	

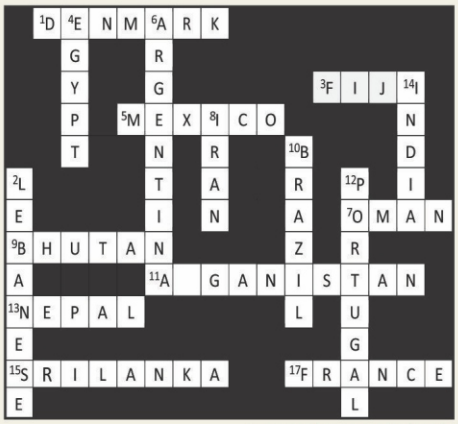

Answer: Crosswords No. 34

3	1	9	8	6	7	2	4	5
8	6	4	3	2	5	1	9	7
2	5	7	9	4	1	6	3	8
5	3	6	2	8	4	9	7	1
7	4	1	5	3	9	8	6	2
9	8	2	1	7	6	4	5	3
1	2	5	6	9	3	7	8	4
4	9	8	7	5	2	3	1	6
6	7	3	4	1	8	5	2	9

Answer: Soduko No. 34

आपके विश्वास के 23 वर्ष

SRMS

23वीं वर्षगांठ के अवसर पर

मिनीमल इनवेसिव सर्जरी (दूरबीन विधि) शिविर

01 से 05 जुलाई 2025

सर्जरी पर पायें 50% तक की छूट

- रोबोटिक
- लैप्रोस्कोपिक
- एण्डोस्कोपिक
- आर्थ्रोस्कोपिक
- लेजर सर्जरी

निम्नलिखित विभागों में अपनी MIS सर्जरी का पैकेज पंजीकृत करायें

जनरल सर्जरी | गैस्ट्रो सर्जरी | न्यूरो सर्जरी | यूरोलॉजी | कॉस्मैटिक सर्जरी | इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी
पीडियाट्रिक सर्जरी | थोरेसिक सर्जरी | कैंसर सर्जरी | गायनी सर्जरी | गायनी ऑन्को सर्जरी
फर्टिलिटी सर्जरी | आर्थ्रोस्कोपी एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी | नाक, कान, गला सर्जरी | नेत्र सर्जरी

80000+
मिनीमल इनवेसिव सर्जरी का अनुभव

लकी ड्रा
पायें **फ्री सर्जरी** कराने का मौका!

जल्दी आयें, जल्दी पायें!

महत्वपूर्ण निर्देश

- सर्जरी पर छूट पाने के लिए सम्बन्धित विभाग में चिकित्सक से परामर्श लें।
- शिविर में पंजीकृत मरीज अपनी सर्जरी 31 जुलाई 2025 तक निर्धारित छूट में करा सकते है।
- 50% तक की छूट केवल इलैक्टिव सर्जरी केस में ही लागू होगी।
- शिविर में दी जाने वाली छूट इमरजेंसी एवं जटिल ऑपरेशन में लागू नहीं होगी।
- असामान्य स्थिति में पैकेज का मूल्य बढ़ सकता है जोकि डॉक्टर द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
9458705555

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बरेली

राम मूर्ति पुरम्, 13 किमी. बरेली-नैनीताल रोड, भोजीपुरा, बरेली (उ.प्र.) www.srms.ac.in